संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 65
पृष्ठ 8
शनिवार
22 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित
Email : shaharsamta@gmail.com
Website : https://Shaharsamta.com
सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- अगर ये बीमारी है तो बैंगन खाने....
विचार- सड़क पर उतरने की तैयारी में...
खेल- पर्थ में पहले दिन का खेल समाप्त...

विश्व के मुख्य न्यायाधीशों का सम्मेलन: सीएम योगी बोले-

न्याय नागरिक की सुरक्षा व उन्नत भविष्य का आधार बनना चाहिए

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से लोगों का मन मोह लिया। इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत हजारों वर्षों से दुनिया को एक परिवार मानता रहा है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दुनिया की वास्तविक समस्या एक-दूसरे के साथ डायलॉग को बाधित करना है। यह सम्मेलन एक-दूसरे के साथ डायलॉग का साधन है। कुछ समय पहले यूएन ने दुनिया के सामने 16 गोल रखे थे। उसमें शिक्षा सबसे

महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शिक्षा में इस बात का ध्यान रखना होगा कि बच्चे बस्ते के बोझ से बोझिल न हों। दुनिया में जहां अशांति और अराजकता है। जहां वर्चस्व को लेकर एक-दूसरे की संप्रभुता को हड़पने की होड़ हो, वहां पर शिक्षा, विकास, स्वास्थ्य की बात अपने आप में एक बेमानी सी दिखती है। इसके लेकर हम सभी को यह सोचना चाहिए कि किस स्तर तक की व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता है। हम भी उसमें सहभागी बन सकते हैं। सीएम ने आगे कहा कि हम अक्सर इस बात को देखते हैं कि जलवायु परिवर्तन और उससे उत्पन्न होने वाले संकट भी हमारे सामने एक नई चुनौती हैं। साइबर क्राइम, डाटा चोरी जैसी समस्या भी हमारे सामने खड़ी है। ऐसी स्थिति में न्याय, नैतिकता और अतंरराष्ट्रीय कानून, विश्व शांति और मानव सभ्यता के लिए एक बड़ी लकीर खींचने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यूएन ने 80 वर्ष पहले कहा था कि दुनिया को अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और जवाबदेह वैश्विक प्रणाली की आवश्यकता है। इस पर आज सोचने की जरूरत है। साइबर क्राइम, अच्छे स्वास्थ्य और वैश्विक आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भी मुखर होकर यूएन जैसे प्लेटफार्म का उपयोग करना चाहिए। इसके लिए भारत की उस प्राचीन व्यवस्था पर जरूर ध्यान देना चाहिए, जिस पर हमने पांच अवयव पृथ्वी, जल, आकाश, अग्नि, वायु की उपासना का आधार मान करके इनकी सुरक्षा, सरंक्षण को सदैव प्राथमिकता दी।

घुसपैठियों पर अमित शाह का कड़ा प्रहारः

चुन-चुन कर निकालेंगे, एसआईआर प्रक्रिया देश के हित में

भुज, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को देश के नागरिकों से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की चल रही राष्ट्रव्यापी प्रक्रिया का पूर्ण समर्थन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया देश और लोकतंत्र की रक्षा के लिए आवश्यक है, क्योंकि यह सुनिश्चित करती है कि हर एक घुसपैठिए को मतदाता सूची से हटाया जाएगा। शाह ने गुजरात के भुज के हरिपुर में सीमा सुरक्षा बल के 61वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आज यह स्पष्ट करना चाहता हूँ कि हम इस देश में से एके के घुसपैठिए को चुन-चुन कर बाहर निकालेंगे, यह हमारा प्रण है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के किसी भी दल का नाम लिए बिना, शाह ने कहा कि कुछ

राजनीतिक दल तथाकथित घुसपैठियों के सफाए के अभियान को कमज़ोर करने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही, उन्होंने उन्हें चेतावनी भी दी कि बिहार चुनाव ने एनडीए को जनादेश दे दिया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से, कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों के सफाए के अभियान को कमज़ोर करने की कोशिश कर रहे हैं। ये राजनीतिक दल एसआईआर प्रक्रिया और चुनाव आयोग की मतदाता सूची के शुद्धिकरण का विरोध कर रहे हैं। मतदाता सूची के शुद्धिकरण में अपना विश्वास व्यक्त करते हुए, शाह ने कहा कि एसआईआर ष्देश और हमारे लोकतंत्र की रक्षा करने की एक प्रक्रियाष है और उन्होंने सभी से चुनाव आयोग द्वारा की जा रही इस प्रक्रिया का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज, मैं देश की जनता से अपील करना चाहता हूँ कि वे चुनाव आयोग द्वारा की जा रही एसआईआर प्रक्रिया का पूरा समर्थन करें। मैं घुसपैठियों को बचाने में शामिल उन राजनीतिक दलों को चेतावनी देना चाहता हूँ कि बिहार चुनाव देश की जनता का जनादेश है। अमित शाह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिखाई गई बहादुरी के लिए बीएसएफ और सशस्त्र बलों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ष्बीएसएफ और सेना की बहादुरी के कारण, कुछ ही दिनों में पाकिस्तान ने (ऑपरेशन सिंदूर के दौरान) एकतरफा युद्धविराम की घोषणा कर दी और इससे पूरी दुनिया को यह स्पष्ट हो गया कि भारत की सीमा और सुरक्षा बलों के साथ समझौता नहीं किया जाना चाहिए; अन्यथा उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे। बीएसएफ दुनिया का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल है, जिसमें 2.7 लाख से अधिक कर्मी कार्यरत हैं और छह दशकों से भी अधिक समय से इसने देश की सुदृढ़ सुरक्षा सुनिश्चित की है।

मुंबई हवाई अड्डे पर 53 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ, सोना, हीरे जब्त, 20 लोग गिरफ्तार

मुंबइ, एजेंसी। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने पिछले सप्ताह विभिन्न अभियानों में 53 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के हाइड्रोपोनिक गांजा, सोना और हीरे जब्त किये और इस सिलसिले में 20 लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि ये बरामदगियां 13 से 20 नवंबर के बीच विभिन्न अभियानों के दौरान की गईं। अभियान के पहले भाग में अधिकारियों ने सात अलग-अलग मामलों में 25.318 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा (मारिजुआना) बरामद किया, जिसकी कीमत 25.318 करोड़ रुपये थी और इस सिलसिले में सात यात्रियों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि अन्य अभियानों में, सात मामलों में 26.981 करोड़ रुपये मूल्य का 26.981 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया और इन मामलों में आठ यात्रियों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि मादक पदार्थ के अलावा, इसी अवधि में सोने की तस्करी के चार मामलों का पता लगाया गया और चार यात्रियों के कब्जे से कुल 551 ग्राम 24 कैरट सोना बरामद किया गया, जिसकी कीमत 65.57 लाख रुपये है। एक अन्य मामले में, सीमा शुल्क अधिकारियों ने 469.75 कैरट हीरे जब्त किए, जिनमें 43.5 कैरट प्राकृतिक और 426.25 कैरट कृत्रिम हीरे शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत 54.13 लाख रुपये है। अधिकारियों ने बताया कि कीमती सामान यात्री ने अपने शरीर में छुपा रखा था और उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया। अधिकारी ने बताया कि मामले में जांच जारी है।

राहुल गांधी का बड़ा बयानः नेहरू सिर्फ इतिहासकार नहीं, बल्कि भारत की धड़कन हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को जवाहरलाल नेहरू के लेखन के एक व्यापक डिजिटल संग्रह के उद्घाटन की सराहना की और इसे भारत की लोकतांत्रिक यात्रा को समझने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए एक शक्तिशाली दिशासूचक बताया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि देश के पहले प्रधानमंत्री के कार्य केवल ऐतिहासिक अभिलेख नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र की विकसित होती अंतरात्मा को दर्शाते हैं, जो उसके साहस, शंकाओं और आकांक्षाओं को समेटे हुए हैं। संग्रह के महत्व पर अपने विचार साझा करते हुए, राहुल गांधी ने कहा कि नेहरू के लेखन आधुनिक भारत को आकार देने वाली चुनौतियों और विजयों के बारे में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। राहुल गांधी ने ग पर पोस्ट किया कि नेहरू के लेखन केवल इतिहास नहीं हैं, वे भारत की विकसित होती अंतरात्मा का अभिलेख हैं। हमारे राष्ट्र की लोकतांत्रिक यात्रा – उसके साहस, उसके संदेहों, उसके सपनों – को समझने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए, उनके

शब्द एक शक्तिशाली दिशासूचक बने हुए हैं। मुझे खुशी है कि यह विरासत अब सभी के लिए खुली, खोज योग्य और मुफ़्त है। इसका विस्तार होता रहेगा। श्जवाहरलाल नेहरू की चुनिंदा कृतियाँश का पूर्णतः डिजिटलीकरण कर दिया गया है। नए लॉन्च किए गए डिजिटल संग्रह में नेहरू के निबंध, पत्र, भाषण और व्यक्तिगत विचार स्वतंत्र रूप से सुलभ और खोज योग्य हैं, जिससे शोधकर्ता, छात्र और नागरिक भारत के पहले प्रधानमंत्री के विचारों को एक सुविधाजनक प्रारूप में खोज सकते हैं। इस संग्रह को निरंतर विस्तारित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, और समय के साथ इसमें अतिरिक्त लेखन और दस्तावेज़ों को शामिल करने की योजना है। राहुल गांधी ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि नेहरू की बौद्धिक और राजनीतिक विरासत अब बिना किसी प्रतिबंध के जनता के लिए उपलब्ध है। उन्होंने इस पहल को ऐतिहासिक साक्षरता और लोकतांत्रिक जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया, जो नागरिकों को उन मूलभूत विचारों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है जिन्होंने भारत को एक संप्रभु और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित करने में मार्गदर्शन किया। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कल घोषणा की थी कि जवाहरलाल नेहरू स्मारक कोष ने एक स्मार्टफोन-अनुकूल http://nehruarchive.in लॉन्च किया है।

कोलकाता के सात बीएलओ को कारण बताओ नोटिस भेजा

कोलकाता, एजेंसी। निर्वाचन आयोग ने कोलकाता के बेलियाघाटा निर्वाचन क्षेत्र के सात बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) गणना फॉर्म के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया में खामियों का हवाला देते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एक अधिकारी ने बताया कि शिकायत एकत्रित गणना प्रपत्रों के अनुचित एवं अपूर्ण डिजिटलीकरण से संबंधित है। उन्होंने कहा, "बीएलओ को शुक्रवार दोपहर तक यह बताने का निर्देश दिया गया है कि वे सौंपे गए कार्यों को ठीक से पूरा करने में क्यों विफल रहे।" उन्होंने कहा कि यदि स्पष्टीकरण असंतोषजनक पाया गया तो अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। निर्वाचन आयोग पश्चिम बंगाल सहित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दूसरे चरण का संचालन कर रहा है, जहां अगले साल की शुरुआत में चुनाव होने हैं। यह प्रक्रिया चार नवंबर को शुरू हुई और चार दिसंबर तक जारी रहेगी। मतदाता सूची का मसौदा नौ दिसंबर को जारी किया जाएगा और अंतिम मतदाता सूची सात फरवरी को प्रकाशित की जाएगी।

चुनाव आयोग ने 2026 बंगाल चुनाव की कमान संभाली, ईवीएम पर अब दिखेगी उम्मीदवारों की तस्वीर

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच, भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने राज्य में 2026 के विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। चुनाव आयोग शुक्रवार से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की जाँच और मतदान पूर्वाभ्यास शुरू करने वाला है। उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती ने कोलकाता में प्रथम स्तरीय जाँच (एफएलसी) टीम के कई सदस्यों के साथ एक बैठक की, जहाँ उन्होंने चल रही एसआईआर, ईवीएम और वीवीपैट के स्टॉक की उपलब्धता सुनिश्चित करने की तैयारियों सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। ईसीआई अधिकारियों के अनुसार, राज्य चुनाव आयोग के पास मशीनों का पूरा

स्टॉक है। ईसीआई ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर किस प्रकार की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी, इसके लिए नए नियम भी पेश किए हैं, जिसमें इस बार प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक उम्मीदवार की तस्वीर भी शामिल की गई है। यह पहली बार है जब मशीनों पर किसी उम्मीदवार की तस्वीर शामिल की जाएगी। चुनाव आयोग के अधिकारियों के अनुसार, यह तस्वीर ईवीएम बटन के बगल में लगाई जाएगी और प्रशिक्षण में भी दिखाई जाएगी। चुनाव आयोग के अनुसार, 2026 के विधानसभा चुनावों में राज्य भर में लगभग 15,000 मतदान केंद्रों की वृद्धि होगी। 2021 के चुनावों में, राज्य में 80,681 मतदान केंद्र थे; 2026 में यह संख्या बढ़कर लगभग 95,000 हो जाएगी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि पश्चिम बंगाल चुनाव आयोग के पास प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए पर्याप्त मशीनें हों, राज्य के मुख्य चुनाव आयुक्त कार्यालय में वर्तमान में 1.30 लाख ईवीएम (मतपत्र + नियंत्रण इकाइयाँ, आरक्षित सहित) और 1.35 लाख वीवीपैट मशीनें हैं। आज बाद में, चुनाव आयोग के सदस्य यह सुनिश्चित करने के लिए ईवीएम अभ्यास करेंगे कि मशीनें ठीक से काम कर रही हैं।

देश में लागू हुए नए श्रम कानून

पीएम मोदी का कार्यबल कल्याण की ओर बड़ा कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। सभी क्षेत्रों में श्रमिक कल्याण को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, भारत के लंबे समय से प्रतीक्षित श्रम सुधार आज से लागू हो गए हैं, सभी चार नए श्रम कोड आधिकारिक तौर पर अधिसूचित और 21 नवंबर, 2025 से लागू हो गए हैं। नए श्रम कोडों ने गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों, महिला कर्मचारियों और एमएसएमई में कार्यरत लोगों को लाभान्वित करने वाले कई ऐतिहासिक सुधार पेश किए हैं। पहली बार, श्रम संहिताओं ने गिग वर्क, प्लेटफ़ॉर्म वर्क और एग्रीगेटर्स को औपचारिक रूप से परिभाषित किया है, जिससे डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर काम करने वाले लाखों लोगों को कानूनी स्पष्टता मिली है। एग्रीगेटर कंपनियों को अब अपने वार्षिक कारोबार का 1-2: एक समर्पित कल्याण कोष में जमा करना होगा, जिसकी अधिकतम

सीमा श्रमिकों को किए गए कुल भुगतान का 5: होगी। यह कोष सामाजिक सुरक्षा लाभों का समर्थन करेगा। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज से देश में नए श्रम संहिता प्रभावी हो गए हैं... ये सुधार केवल साधारण बदलाव नहीं हैं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कार्यबल के कल्याण के लिए उठाया गया एक बड़ा कदम है। डिलीवरी और मोबिलिटी कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए, घर और कार्यस्थल के बीच यात्रा के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं को अब रोज़गार से संबंधित माना जाएगा, जिससे कर्मचारी दुर्घटना मुआवजे के पात्र बनेंगे। लाभों की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने आधार से जुड़ा एक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर शुरू किया है, जिससे राज्यों में कल्याणकारी योजनाओं तक आसान और पोर्टेबल पहुँच संभव हो सकेगी। ये संहिताएँ सभी प्रकार के लैंगिक भेदभाव पर रोक लगाती हैं और समान कार्य के लिए समान वेतन सुनिश्चित करती हैं। महिलाएँ अब रात्रि पाली में काम कर सकती हैं और सभी प्रकार के उद्योगों में काम कर सकती हैं, जिनमें खनन और भारी मशीनरी जैसे पहले प्रतिबंधित क्षेत्र भी शामिल हैं, बशर्ते उनकी सहमति और अनिवार्य सुरक्षा व्यवस्था हो। 26 सप्ताह के सवेतन अवकाश, शिशुगृह सुविधाओं तक पहुँच और घर से काम करने के लचीले विकल्पों के साथ मातृत्व लाभों को और मज़बूत किया गया है। महिला कर्मचारियों को 3,500 रुपये का चिकित्सा बोनस भी मिलेगा। इसके अतिरिक्त, महिला श्रमिकों के लिए परिवार की परिभाषा का विस्तार करके इसमें सास-ससुर को भी शामिल किया गया है, जिससे सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों के तहत आश्रितों का दायरा बढ़ गया है।

दिल्ली कार ब्लास्ट की जाँच से बड़ा खुलासा

आतंकियों ने आटा चक्की को बना डाला था बम बनाने की मशीन, बना रहे थे खतरनाक पाउडर!

नई दिल्ली, एजेंसी। कश्मीर से निकल कर फरीदाबाद पहुँच कर आतंकवाद को देश में फैलाने की साजिश रचने वाले डॉक्टरों से जुड़े मामलों में रोजाना ऐसे खुलासे हो रहे हैं जो चौंकाने वाले हैं। हम आपको बता दें कि फरीदाबाद के धौज गांव के एक साधारण से घर में आतंक का पाउडर बनाया जा रहा था। ये खुलासा दिल्ली कार ब्लास्ट मामले की जांच में हुआ है। डॉक्टर मुजम्मिल और उसके सहयोगी उमर उन नबी पर आरोप है कि उन्होंने एक आटा चक्की को केमिकल ग्राइंडर में बदलकर विस्फोटक तैयार करने की तैयारी की थी। पुलिस द्वारा बरामद तस्वीरें और मशीनरी इस बात का भयावह संकेत हैं कि आतंकी मॉड्यूल कितनी बारीकी से रोजमर्रा के उपकरणों का दुरुपयोग कर रहे थे। आम

तौर पर अनाज पीसने वाली चक्की ठोस पदार्थों को महीन पाउडर में बदल देती है और जांच अधिकारियों के अनुसार यही तकनीक रसायनों को विस्फोटक रूप में बदलने में प्रयुक्त की गई। इससे भी ज्यादा चिंताजनक है कि घटनास्थल से करीब 3,000 किलो अमोनियम नाइट्रेट और अन्य रसायन बरामद किए गए, जो बड़े पैमाने पर विस्फोटों की योजना की ओर संकेत करते हैं। हम आपको बता दें कि मुजम्मिल ने यह कमरा मात्र ₹1,500 किराये पर लिया था और इसी कमरे से 2,600 किलो अतिरिक्त अमोनियम नाइट्रेट पहले ही बरामद हुआ था। दोनों आरोपियों के अड्डों पर मिले डायरी और नोटबुक, जिनमें 8 से 12 नवंबर तक के तारीखों पर "operation" शब्द बार-बार लिखा था, उससे स्पष्ट है कि कई हमलों की योजना बनाई जा रही थी। डायरी में 2,500 से अधिक नाम दर्ज पाए गए इनमें ज्यादातर जम्मू-कश्मीर, फरीदाबाद और आसपास के क्षेत्रों के हैं। हम आपको बता दें कि दोनों आरोपी 2021 के बाद अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े थे और जांच एजेंसियों के अनुसार यह पूरा मॉड्यूल पिछले दो वर्षों से 'सफेदपोश' आवरण में संचालित था। देखा जाये तो इस पूरे प्रकरण ने तीन बड़े सुरक्षा जोखिम उजागर किए हैं। पहला है आम उपकरणों का दुरुपयोग। आटा चक्की, गैस सिलेंडर, साधारण रसायन, यानि ऐसी चीजें जिन्हें कोई भी सामान्य घर में देख कर संदेह नहीं करेगा, मगर अब यह आतंकी हथियारों के रूप में इस्तेमाल की जा रही हैं। यह सुरक्षा एजेंसियों के लिए जटिल चुनौती है। दूसरा जोखिम है- कैंपस और हॉस्टल आतंक के नए अड्डे बन रहे हैं।

प्रयागराज में 2 साल से बंद थी बच्ची की नाक

मांस बढ़ा हुआ था, नाक से नहीं ले पा रही थी सांस, डॉक्टर ने ऑपरेशन किया

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में 11 साल की बच्ची पिछले करीब 2 सालों से नाक से सांस नहीं ले पा रही थी। जब वह रात में सोती थी तो मुंह खोले रखती थी ताकि मुंह से सांस ले सके। उसे बोलने में भी दिक्कत होती थी। तेज बहादुर सप्रू (बेली) अस्पताल में ENT (नाक, कान, गला) स्पेशलिस्ट डॉ. वीसी विश्वास ने सफल ऑपरेशन किया और अब बच्ची खुलकर सांस ले पा रही है। आनापुर के रहने वाले धर्मेंद्र साहू ने बताया,

कि उसकी बेटी काफी दिनों से ज्यादा तकलीफ में थी। पहले वह इध र-उधर इलाज कराते रहे लेकिन उसे आराम नहीं मिल पा रहा था। इसके बाद वह बेली अस्पताल पहुंचे और यहां ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉ. वीसी विश्वास को दिखाया। सीटी स्कैन कराने के बाद पता चला कि बाएं नाक में मांस बढ़े हुए हैं। इसके बाद डॉक्टर ने ऑपरेशन किया और अब बच्ची पूरी तरह से ठीक है। ऑपरेशन में डॉ. वीसी विश्वास के साथ एनेस्थेसिया के डॉ. नीरज गुप्ता, डॉ. पीके मौर्या व डॉ. उत्कर्ष मजूमदार शामिल रहे। डॉ. वीसी विश्वास ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट लिखा। जिसमें उन्होंने लिखा, जब बच्ची से मिलने के लिए मैं वार्ड में पहुंचा तो बच्ची बहुत सुकून से सो रही थी, नाक से आराम से सांस ले पा रही थी। उसके पिता ध र्मेंद्र ने कहा कि कई महीनों के बाद बेटी का नाक खुला है और अब मुंह बंद करके सो रही है। बिना डिस्टर्ब किए मैं वापस चला गया। उसके उठने के बाद मैं जब दोबारा उसके पास वार्ड में गया तो उसे देखकर मन को बहुत सुकून मिला। चेहरे पर एक मासूम मुस्कान लिए अपने बेड पर बैठी थी।" आज शुक्रवार को उसके अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अब वह फिर से खुली हवा में खुल कर सांस ले सकेगी। वहीं अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. भावना शर्मा ने डॉक्टर्स को बधाई दी है।

प्रयागराज में छात्र नेता ने लगाया ईवीएम बेचने का स्टॉल

प्रयागराज (संवाददाता)। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) की विश्वसनीयता को लेकर चल रही बहसों के बीच प्रयागराज में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एक पूर्व छात्र नेता ने अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया है। सड़क किनारे हाथ में एक पोस्टर लेकर बैठे छात्र नेता इंजीनियर संदीप विश्वकर्मा ने प्रतीकात्मक रूप

से EVM बेचने का स्टॉल लगाया। ईवीएम ले लेलो, सरकार बनाने वाली ईवीएम बिक रही। बिहार वाली बिक चुकी है। अब यूपी की बारी है। बोलकर भाजपा सरकार पर तंज कसा। हाथ में लिए गए पोस्टर पर ज्ञानेश बाबा का EVM – 303 सीट वाली लिखा था। इस पोस्टर में विभिन्न राजनीतिक दलों के चुनाव चिन्ह बने हैं। लेकिन भाजपा के कमल के निशान के आगे Sale (बिकाऊ) लिखा गया है। संदीप विश्वकर्मा ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि जिस तरह से देश में लोकतंत्र की हत्या की जा रही है और बिहार चुनावों में उल्टा-सीधा कार्य किया गया। उसे देखते हुए यह कहा जा सकता है कि EVM बिकाऊ है। यह ज्ञानेश बाबा की EVM है, जिसमें 303 सीटें फिक्स हैं। जिसे भी उत्तर प्रदेश में सरकार बनानी हो, वो तत्काल हमसे संपर्क करे। विरोध प्रदर्शन के दौरान संदीप ने आरोप लगाते हुए कहा कि देश में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के संविधान को बेचने का काम किया जा रहा है। उन्होंने सत्ताधारी दल (भाजपा) को चेतावनी देते हुए कहा ताानाशाही रवैया अपनाकर धर्म के नाम पर देश और समाज को बांटना बंद कर दीजिये।

टाटानगर-जम्मू तवी एक्सप्रेस का फिरोजाबाद स्टेशन पर प्रायोगिक ठहराव

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी सं. 18101/18102 टाटानगर-जम्मू तवी एक्सप्रेस का फिरोजाबाद स्टेशन पर प्रायोगिक ठहराव प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं.	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	तिथि से प्रभावी: प्रारम्भिक स्टेशन से	तिथि से प्रभावी: फिरोजाबाद स्टेशन पर ठहराव
18101 टाटानगर-जम्मू तवी एक्सप्रेस	फिरोजाबाद	16:20	16:22	21.11.25	22.11.25
18102 जम्मू तवी-टाटानगर एक्सप्रेस		10:28	10:30	22.11.25	23.11.25

नोट: ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 2231/25 (ADM)

अलीपुरद्वार-दिल्ली सिक्किम महानन्दा एक्स. का चोला स्टेशन पर प्रायोगिक ठहराव

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 15483/15484 अलीपुरद्वार-दिल्ली सिक्किम महानन्दा एक्सप्रेस का चोला स्टेशन पर प्रायोगिक ठहराव प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	तिथि से प्रभावी: प्रारम्भिक स्टेशन से	तिथि से प्रभावी: चोला स्टेशन पर ठहराव
15483 अलीपुरद्वार-दिल्ली सिक्किम महानन्दा एक्सप्रेस	चोला	18:33	18:35	अलीपुरद्वार स्टेशन से 22.11.2025	23.11.2025
15484 दिल्ली-अलीपुरद्वार सिक्किम महानन्दा एक्सप्रेस		08:48	08:50	दिल्ली स्टेशन से 23.11.2025	23.11.2025

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 2240/25(AS)

हाईकोर्ट के जज का आजम का केस सुनने से इनकार

जस्टिस समीर जैन ने कहा- मैं खुद को केस से अलग करता हूं

समीर जैन, जज

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में शुक्रवार को सपा नेता आजम खान के मामले की सुनवाई लगी थी। अंतिम सुनवाई से पहले हाईकोर्ट में 2016 यतीमखाना बेदखली प्रकरण की सुनवाई ने अप्रत्याशित मोड़ आ गया। जब मामला अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध होने के बावजूद, न्यायमूर्ति समीर जैन ने स्वयं को इस मामले की सुनवाई से अलग कर लिया। यह फैसला अदालत में उपस्थित सभी अधि वक्ताओं के सामने सुनाया गया।

जज समीर जैन ने कहा – मैं अब आजम खान मामले से जुड़े केस की सुनवाई नहीं सुन पाऊंगा। इसलिए अब इन केसों से खुद को अलग कर रहा हूं।

सुनवाई के दौरान, सह-आरोपियों की ओर से वरिष्ठ वकील एस एफ.ए. नकवी और वकील सैयद अहमद फैजान उपस्थित थे। जबकि पूर्व सांसद आइलाहाबाद हाईकोर्ट में शुक्रवार को सपा नेता आजम खान के मामले की सुनवाई लगी थी। अंतिम सुनवाई से पहले हाईकोर्ट में 2016 यतीमखाना बेदखली प्रकरण की सुनवाई ने अप्रत्याशित मोड़ आ गया। जब मामला अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध होने के बावजूद, न्यायमूर्ति समीर जैन ने स्वयं को इस मामले की सुनवाई से अलग कर लिया। यह फैसला अदालत में उपस्थित सभी अधिवक्ताओं के सामने सुनाया गया।

जज समीर जैन ने कहा – मैं अब आजम खान मामले से जुड़े केस की सुनवाई नहीं सुन पाऊंगा। इसलिए अब इन केसों से खुद को अलग कर रहा हूं।

सुनवाई के दौरान, सह-आरोपियों की ओर से वरिष्ठ वकील एस एफ.ए. नकवी और वकील सैयद अहमद फैजान उपस्थित थे। जबकि पूर्व सांसद आजम खान और सह-आरोपी वीरेन्द्र गोयल की ओर से वरिष्ठ वकील एन.आई. जाफरी, वकील शाश्वत आनंद, और शशांक तिवारी मौजूद रहे।जम खान और सह-आरोपी वीरेन्द्र गोयल की ओर से वरिष्ठ वकील एन. आई. जाफरी, वकील शाश्वत आनंद, और शशांक तिवारी मौजूद रहे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में शुक्रवार को सपा नेता आजम खान के मामले की सुनवाई लगी थी। अंतिम सुनवाई से पहले हाईकोर्ट में 2016 यतीमखाना बेदखली प्रकरण की सुनवाई ने अप्रत्याशित मोड़ आ गया। जब मामला अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध होने के बावजूद, न्यायमूर्ति समीर जैन ने स्वयं को इस मामले की सुनवाई से अलग कर लिया। यह फैसला अदालत में उपस्थित सभी अधिवक्ताओं के सामने सुनाया गया।

जज समीर जैन ने कहा – मैं अब आजम खान मामले से जुड़े केस की सुनवाई नहीं सुन पाऊंगा। इसलिए अब इन केसों से खुद को अलग कर रहा हूं।

सुनवाई के दौरान, सह-आरोपियों की ओर से वरिष्ठ वकील एस एफ.ए. नकवी और वकील सैयद अहमद फैजान उपस्थित थे। जबकि पूर्व सांसद आजम खान और सह-आरोपी वीरेन्द्र गोयल की ओर से वरिष्ठ वकील एन.आई. जाफरी, वकील शाश्वत आनंद, और शशांक तिवारी मौजूद रहे।

यह मामला ट्रायल कोर्ट के 30 मई 2025 के आदेश को चुनौती देने से संबंधित है, जिसमें अभियोजन गवाहों -विशेषकर वक्फ बोर्ड चेयरमैन जफर अहमद फारूकी- को दोबारा बुलाने और कथित बेदखली की वीडियोग्राफी को रिकॉर्ड में शामिल करने की मांग खारिज कर दी गई थी। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि यह वीडियो उनकी घटनास्थल पर अनुपस्थिति साबित कर सकता है और निष्पक्ष सुनवाई के लिए बेहद जरुरी है।

यह मुकदमा 2019 में रामपुर के कोतवाली थाने में दर्ज 12 एफआईआर पर आध ारित है, जिनमें डकैती, आपराधि क षड्यंत्र और घर में अनधिकृ त प्रवेश जैसे आरोप शामिल हैं। सभी मामलों को आठ अगस्त 2024 को विशेष न्यायाधीश (एमपी/ एमएलए) रामपुर ने एकल मुकदमे में जोड़ा था। जिन्हें बाद में मिलाकर स्पेशल केस नं. 45/2020 बनाया गया था, और इसमें राजनीतिक रूप से चर्चित पूर्व मंत्री आजम खान मुख्य आरोपी हैं, इसलिए हाईकोर्ट की आज की कार्यवाही ने राजनीतिक और कानूनी दोनों हलकों में हलचल मचा दी है।

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में छात्रों का हंगामा, सुरक्षाकर्मी से हाथापाई

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के गेट पर सैकड़ों छात्र-छात्राएं कर रहे नारेबाजी, सुरक्षा बढ़ाई गई

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आज शुक्रवार को एक बार फिर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं पहुंच गए हैं। छात्रों के निलंबन बहाली की मांग को लेकर सैकड़ों की संख्या में छात्र विश्वविद्यालय के मेन गेट पर पहुंचे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन व प्राक्टोरियल बोर्ड के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। इस बार छात्रों ने अनूठे अंदाज में विश्वविद्यालय के खिलाफ प्रदर्शन किया। हाथों में ढपली और स्पीकर लेकर पहुंचे थे। विश्वविद्यालय की तानाशाही रवैये के खिलाफ गाना गाकर बयां कर रहे थे। वहीं दूसरी ओर विश्वविद्यालय में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई थी। गेट पर सुरक्षाकर्मियों व छात्रों के बीच जमकर हाथापाई भी हुई।

छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों की संगोष्ठी के कार्यक्रमों को रोकना और छात्रों के ऊपर निलंबन की कार्यवाही करना न सिर्फ शर्मनाक है बल्कि विश्वविद्यालय प्रशासन के मनमाने और शिक्षा विरोधी रवैया को दर्शाता है। विश्वविद्यालय प्रशासन का व्यवहार लगातार बना हुआ है कि छात्रों की आवाज सुनने और उन्हें लोकतांत्रिक परिवेश देने की बजाय उनके ऊपर कार्यवाही करते जा रहा है।

इस धरना प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे छात्र चंद्र प्रकाश ने कहा, विश्वविद्यालय प्रशासन तानाशाही रवैया अपना रहा है। कहा कि, फैज अहमद फैज की स्मृति दिवस के मौके पर कविता पाठ का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसके लिए दिशा छात्र संगठन के तीन साथी इस कार्यक्रम की अनुमति लेने के लिए विश्वविद्यालय में प्रॉक्टर आफिस गए थे। प्राक्टर ने उनके साथ गाली गलौच किया। अनुमति तो दिया लेकिन इन साथियों का निलंबन और निष्कासन कर दिया गया। इसके खिलाफ आज यह आंदोलन चल रहा है कि इन सभी का निलंबन वापस लिया जाए।

छात्र चंद्रप्रकाश ने कहा, यदि निलंबन और निष्कासन बहाल नहीं किया जाता है तो सोमवार से हम छात्र आमरण अनशन पर बैठेंगे। सौम्या, संजय, चंद्रप्रकाश व निधि के निलंबन व निष्कासन की बहाली की मांग की जा रही है। प्रदर्शनकारी छात्र चार मुख्य मांगों को लेकर आंदोलित हैं। निलंबित छात्रों का निलंबन वापस हो। चीफ प्रॉक्टर राकेश सिंह व असिस्टेंट चीफ प्रॉक्टर अतुल नारायण सिंह को तत्काल पद से हटाया जाए। विश्वविद्यालय परिसर व हास्टलों में स्वच्छ पेयजल, साफ टायलेट, क्लॉसरूम में माइक का इंतजाम किया जाए। केंद्रीय पुस्तकालय को प्रतिदिन 24 घंटे खोले जाने की मांग की जा रही है। इससे जुड़े पंप्लेट भी विश्वविद्यालय के छात्र व छात्राओं को दिया गया।

आइसा की ओर से यह मांग की जा रही है विश्वविद्यालय प्रशासन मनमाने और दुर्व्यवहार पूर्ण रवैया पर तत्काल रोक लगाते हुए छात्रों के ऊपर की गई निलंबन कार्यवाही को तत्काल वापस लिया जाए। इसके साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में लोकतांत्रिक माहौल को कायम किया जाए और छात्रों को पर रोक-टोक कार्यक्रम करने की अनुमति प्रदान की जाए। छात्र विरोधी विश्वविद्यालय प्रशासन को बर्खास्त करके नए सिरे से प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्त की जाए। मांगी पूरी नहीं होने पर छात्रों का आंदोलन जारी रहेगा।

छात्र की मौत मामले में शव को लेकर छीना-झपटी

परिजनों ने शव रख किया चक्काजाम, स्कूल में हुई थी छात्र की मौत, 5किमी तक लगा जाम

शिवम, मृतक

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के इंडियन पब्लिक स्कूल के हाई स्कूल छात्र की मौत मामले में पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन शव को लेकर धूमन गंज पुलिस चौकी पहुंचे और शव को चौराहे पर रखकर चक्का जाम कर दिया। इस दौरान पुलिस और परिजनों के बीच शव को लेकर तीखी छीना-झपटी भी हुई। परिजनों ने स्कूल और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

परिजनों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रशासन की लापरवाही के कारण छात्र की मौत हुई है। इसी के विरोध में परिजन चौराहे पर धरना देकर न्याय की मांग पर अड़े रहे। करीब 1 घंटे तक चले इस जाम ने प्रयागराज-कानपुर हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा कर दिया।

जाम लगने से 5 किलोमीटर लंबी लाइन लग गई और वाहन घंटों तक रेंगते नजर आए। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि एम्बुलेंस भी जाम में फंस गई, जिससे मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना पर पहुंचे प्रशासनिक और पुलिस अधि कारियों ने परिजनों को समझाने की कोशिश की और काफी मशक्कत के बाद जाम को खुलवाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और स्कूल प्रशासन के खिलाफ परिजनों के आरोपों की जांच के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

धूमनगंज थाना क्षेत्र के भोला का पूरा निवासी किसान अमर सिंह का 14 वर्षीय बेटा शिवम इंडियन पब्लिक स्कूल, ट्रांसपोर्ट नगर में 10वीं कक्षा का छात्र था। वह अपनी मां सरला यादव और बहन प्रिया के साथ रहता था। शिवम रोज की तरह गुरुवार को स्कूल गया था।

प्रयागराज में बीएससी की छात्रा ने लगाई फांसी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के मुंडेरा इलाके में एक छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मां कमरे में बुलाने पहुंची तो उसे फंदे पर लटकते देखा। घरवालों को बुलाकर दरवाजा तोड़ा गया। उसके बाद बॉडी को नीचे उतारा गया। उसे अस्पताल ले गए, जहां

डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। यह घटना मुंडेरा धूमनगंज की पुष्प नगर कॉलोनी में रात करीब नौ बजे की है। आंचल साहू, (17) झलवा स्थित एक कॉलेज में बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा थी। उसकी मां निर्मला देवी ने बताया- वह गुरुवार रात में घरवालों को खाना देने के बाद बेटी को देखने उसके कमरे में गईं। उसका दरवाजा अंदर से बंद मिला। आवाज न आने पर संदेह हुआ। घर के अन्य सदस्य भी मौके पर पहुंचे और रोशनदान से झांककर देखा तो आंचल फंदे पर लटकी हुई थी। आंचल के भाई अंकुर उर्फ शैलेष ने बताया कि रात लगभग साढ़े आठ बजे आंचल ने खाना बनाया था। वह नानी को खाना देकर अपने कमरे में चली गई थी। कुछ देर बाद यह घटना सामने आई। वह बीते कुछ दिनों से गुमसुम रहती थी। मां के पूछने पर कुछ नहीं बताती थी। वह दो भाइयों और दो बहनों में सबसे छोटी थी। उसका परिवार मूल रूप से कौशांबी के सरायअकिल का रहने वाला है, वहां पर पिता जगन्नाथ चाट की दुकान चलाते हैं। सूचना मिलने पर धूमनगंज पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर विधिक कार्रवाई की है और आत्महत्या के कारणों की जांच में जुट गई है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

बरेली हिंसा में प्राथमिकी रद्द करने से हाईकोर्ट का इंकार

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बरेली में सितंबर में हुई हिंसा मामले से जुड़ी प्राथमिकी को रद्द करने की मांग वाली याचिका स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। आरोप है कि पुलिस बल पर भीड़ ने ईंट-पत्थरों, पत्थरों और तेजाब की बोतलों से हमला किया था। न्यायमूर्ति अजय भनोट और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की पीठ ने इस निर्देश के साथ याचिका निस्तारित कर दी है कि याची अदनान अन्य कानूनी उपायों का उपयोग करने के लिए स्वतंत्र है। अदालत में अतिरिक्त महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी, सहायक महाधिवक्ता पारितोष मालवीय ने कहा कि कानून-व्यवस्था लागू करने वाले पुलिस बल पर हमला किया गया जिसका काम कानून व्यवस्था कायम रखना है। भयभीत करने की कोशिश की गई। खंडपीठ को बताया गया कि मौलाना तौकीर रजा द्वारा सभा का आह्वान करने के बाद पुलिसकर्मियों पर तेजाब की बोतलें, ईंट-पत्थरों और आग्नेयास्त्रों से हमला किया गया। बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया है।

अभियोजन के अनुसार 26 सितंबर को मौलाना तौकीर रजा ने समुदाय विशेष को इस्लामिया इंटर कॉलेज में इकट्ठा होने का आह्वान किया था। बीएनएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद लगभग 200-250 लोगों की भीड़ मौलाना आजाद इंटर कॉलेज से श्यामगंज चौराहे की ओर बढ़ी। हाथों में तख्तियां लिए और भड़काऊ नारे लगाते हुए भीड़ ने पुलिसकर्मियों की चेतावनी और समझाने-बुझाने पर ध्यान नहीं दिया। कुछ ही देर में भीड़ आक्रामक हो गई। पुलिस पर ईंट-पत्थर और तेजाब की बोतलें फेंकी जाने लगी। पुलिसकर्मियों पर गोलियां भी चलाई गईं। कुछ पुलिसकर्मियों के कपड़े फट गए और दो अधिकारी घायल हो गए। हालात यहां तक बिगड़े कि पुलिस बल को आत्मरक्षा में गोलियां चलानी पड़ीं। राज्य सरकार का कहना था कि यदि ऐसे मामलों में कानून के अनुसार कार्रवाई नहीं हुई तो इससे सार्वजनिक सुरक्षा और व्यवस्था के लिए खतरा पैदा हो सकता है। प्रथम दृष्ट्या याचिकाकर्ता के खिलाफ अपराध का पता चलता है। हरियाणा राज्य बनाम भजन लाल और निहारिका इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड बनाम महाराष्ट्र राज्य में सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णयों का हवाला देते हुए तर्क दिया कि इस स्तर पर कोई भी अंतरिम राहत जांच में बाधा डाल सकती है। याची की ओर से पेश हुए अधिवक्ता अंसार अहमद ने कहा कि अब याची प्राथमिकी रद्द करने के लिए राहत पर जोर नहीं देना चाहता। परिणामस्वरूप, प्राथमिकी रद्द करने के लिए मांगी गई राहत अस्वीकार कर दी गई है।

प्रयागराज में सरदार पटेल जयंती पर निकली एकता पदयात्रा

प्रयागराज (संवाददाता)। भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को प्रयागराज में एक एकता पदयात्रा निकाली गई। इस पदयात्रा का नेतृत्व पूर्व मंत्री और शहर पश्चिमी से बीजेपी विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने किया। पदयात्रा

कर्बला चौराहा से शुरू होकर राजरूपपुर तक निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के नेता, कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक और स्कूली बच्चे शामिल हुए। पदयात्रा में फूलपुर से बीजेपी सांसद प्रवीण पटेल और बीजेपी महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता सहित कई वरिष्ठ नेता भी उपस्थित थे। लोगों ने जगह-जगह फूल बरसाकर पदयात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने सरदार पटेल के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य किया, जो भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। सिंह ने बताया कि आजादी के बाद 565 रियासतों का विलय कर सरदार पटेल ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत की मजबूत नींव रखी थी। उन्होंने आगे कहा कि सरदार पटेल के अपूर्ण कार्य को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35A हटाकर पूर्ण किया, जिससे कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा बन गया।

संक्षिप्त

''ऋषि का सद्ज्ञान मानव जीवन का आधार है : उमानन्द शर्मा

लखनऊ, संवाददाता। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत ''शेरवुड कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सफेदाबाद रेलवे क्रासिंग के पास, धरसनिया, बाराबंकी, उ०प्र०'' के केन्द्रीय पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं० श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 453वाँ ऋषि वाङ्मय की स्थापना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मुकेश श्रीवास्तव (पुत्र) एवं उर्मिला श्रीवास्तव (पुत्रवधु) ने अपने माता–पिता स्व० श्रीमती सुषमा श्रीवास्तव एवं स्व० कौशल किशोर श्रीवास्तव की स्मृति में संस्थान के पुस्तकालय में युग ऋषि वाङ्मय साहित्य भेंट किये तथा उपस्थित संकाय सदस्यों एवं छात्र–छात्राओं को अखण्ड ज्योति (हिन्दी) पत्रिका भी भेंट किये।इस अवसर पर वाङ्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि "ऋषि का सद्ज्ञान मानव जीवन का आधार है।" इस अवसर पर वी०के० श्रीवास्तव एवं संस्थान के निदेशक (सामान्य प्रशासन) सतीश कुमार श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किये। संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ० राज अमित सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर गायत्री ज्ञान मंदिर के प्रतिनिधि उमानंद शर्मा, देवेन्द्र सिंह, वी०के० श्रीवास्तव, मुकेश श्रीवास्तव, उर्मिला श्रीवास्तव एवं संस्थान के निदेशक (सा०प्र०) सतीश कुमार श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य डॉ० राज अमित सिंह, निदेशक प्रदीप पाण्डेय, एसोसिएट प्रोफेसर शिवांगी मौर्य, रजिस्ट्रार श्री विजय यादव, संकाय सदस्य एवं छात्र–छात्रायें मौजूद रहे।

पीस एज्युकेशन चेरिटेबल ट्रस्ट ने आयोजित की एसआईआर से संबंधित बैठक

लखनऊ, संवाददाता। पीस एज्युकेशन चेरिटेबल ट्रस्ट ने एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस बैठक में क्षेत्र की जनता ने भाग लिया और एसआईआर से संबंधित जानकार लोगों के माध्यम से उनको सही प्रकार की जानकारी उपलब्ध कराई गई। ट्रस्ट के सदर मुर्तजा अली ने बताया कि लखनऊ वासियों की आम जनता के लिए 114 इंसाफ नगर में 30 नवंबर तक यह कैम्प लगाया जाएगा, जिसमें लोगों को मदद की जाएगी। यह कैम्प सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा, जहां लोगों का फॉर्म भरने और उन्हें जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। ट्रस्ट के संरक्षक खालिद इस्लाम दिलशाद साहब ने कहा, हमारा उद्देश्य है कि लोगों को एसआईआर से संबंधित सभी जानकारी प्रदान की जाए और उन्हें अपने अधिकारों के बारे में जागरूक किया जाए। हम इस कैम्प के माध्यम से लोगों की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वरिष्ठ पत्रकार अब्दुल वाहिद ने कहा, यह कैम्प लोगों के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा। हमें उम्मीद है कि इस कैम्प के माध्यम से लोगों को एसआईआर से संबंधित सभी जानकारी मिलेगी और वे अपने अधिकारों का उपयोग कर पाएंगे। मोहम्मद जुबेर साहब ने कहा, पीस एज्युकेशन चेरिटेबल ट्रस्ट का यह कदम सराहनीय है। हमें उम्मीद है कि यह कैम्प लोगों को एसआईआर से संबंधित जानकारी प्रदान करने में मदद करेगा और उन्हें अपने अधिकारों के बारे में जागरूक करेगा। इस अवसर पर मुहम्मद फहीम, अनस सिद्धिकी, इमरान खान, हलीमा, ताबीर, शाहिद अली, फहदहसन, कैफ, फैसल लोग उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने पत्रकार पंकज शाह के पिता के निधन पर व्यक्त किया शोक

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने द टाइम्स ऑफ इण्डिया के वरिष्ठ संवाददाता पंकज शाह के पिता पीएल शाह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।श्री मौर्य ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुये दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की है।

बिना लाइसेंस कुत्ता टहला रहे चार लोगों पर लगा जुर्माना, 20 हजार वसूले गए; लखनऊ के कई इलाकों में चला अभियान

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में नगर निगम के पशु कल्याण विभाग ने बृहस्पतिवार सुबह बंगला बाजार, शारदा नगर और रुचि खंड में बिना लाइसेंस के कुत्ता पालने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। बिना लाइसेंस के कुत्ता टहलाते मिले चार लोगों से 20 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। इस दौरान टीम की तीखी नोकझोंक भी हुई। पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा ने बताया कि सुबह 6रू30 बजे जोन आठ के कई इलाकों में अभियान चलाया गया। चार कुत्ता पालकों से जुर्माना वसूलने के बाद लाइसेंस भी बनाए गए। पशु कल्याण अधिकारी ने बताया कि लोग घर बैठे वेबसाइट सउब.नच.दपब.पद से लाइसेंस बनवा सकते हैं।

इन नंबरों पर कर सकते संपर्क

इसके अलावा पशु कल्याण अधिकारी के लालबाग स्थित कार्यालय आकर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए कुत्ते का रैबीज टीकाकरण प्रमाणपत्र होना जरूरी है। किसी भी तरह की जानकारी के लिए कर्मी जयंत सिंह से मोबाइल नंबर 9511156792 और अफसर अली से 9721095021 पर संपर्क कर सकते हैं।

निजी गाड़ियां टैक्सी में चलाने वाले सावधान, पकड़े गए 133 वाहन... 69 सीज; जमा करना होगा जुर्माना

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में परिवहन विभाग ने निजी कार के तौर पर पंजीकृत 133 गाड़ियां व्यावसायिक काम करती पकड़ी हैं। यह सभी गाड़ियां चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 17 से 20 नवंबर तक चलाए गए विशेष अभियान में पकड़ी गईं। इनमें 69 को सीज कर थाने में जमा कर दिया गया। अन्य का चालान कर जुर्माना जमा कराया जा रहा है। संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) प्रभात पांडेय ने बताया कि शासन के निर्देश पर एयरपोर्ट पर ऐसी निजी गाड़ियों की जांच की गई, जिनका व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है। एयरपोर्ट पर 17 से 20 नवंबर तक दो शिफ्ट में तीन–तीन प्रवर्तन टीमों ने कुल 707 वाहनों की जांच की। इनमें 133 निजी वाहन व्यावसायिक रूप से संचालित पाए गए। इनका चालान करते हुए 69 वाहनों को थाने में जमा किया गया हैं। ये वाहन तभी छोड़े जाएंगे, जब इनका टैक्सी में परिवर्तन हो जाएगा। जुर्माना व बकाया टैक्स जमा हो जाएगा। अभी तक छह वाहनों को टैक्सी में बदलने के बाद पूरा शुल्क लेकर छोड़ा गया है। अभियान चलाने वाली टीम में यात्री व मालकर अधिकारी आभा त्रिपाठी, अनीता वर्मा, एसपी देव, हरदोई जनपद के खेमानंद पांडेय, सीतापुर के आब्दीन अहमद एवं लखीमपुर खीरी कौशलेंद्र प्रताप शामिल रहे।

श्रीमद् भागवत गीता विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज। भारतीय ज्ञान परंपरा की सांस्कृतिक विरासत रू श्रीमद्भगवद्गीता विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज प्रयागराज में दिनांक 21 नवंबर ,2025 को संस्कृत विभाग एवं प्राचीन इतिहास विभागद्वारा विश्व विरासत सप्ताह के अन्तर्गत किया गया . विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर राजलक्ष्मी वर्मा (पूर्व विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग , इलाहाबाद विश्वविद्यालय) रहीं. मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम आरंभ हुआ . अतिथि का स्वागत प्राचार्या प्रोफेसर आशिमा घोष ने किया । आयोजित सत्र में प्रोफेसर राजलक्ष्मी लक्ष्मी वर्मा ने गीता के नैतिक और आध्यात्मिक संदेशों और सांस्कृतिक परंपरा पर प्रकाश डाला. वक्ता द्वारा रामचरित और कृष्णचरित की उदात्तता को ग्रहण करने की प्रेरणा दी. चार पुरुषार्थ , ज्ञान–कर्म–भक्ति योग को परिभाषित करते हुए वक्ता ने यह सिद्ध किया कि गीता शास्त्र भी है और कला भी. अतिथि परिचय डॉक्टर प्रमा द्विवेदी ने दिया कार्यक्रम का संचालन प्रो . मीनाश्री यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर रतन कुमारी वर्मा द्वारा दिया गया। इस अवसर पर डॉ सत्य प्रकाश श्रीवास्तव (सीएमपी), डॉ अरुणेय मिश्रा (ईसीसी),डॉ ब्रह्मदेव द्विवेदी,डॉ उपासना पांडे (सेंट एंथोनी), कु. आरती बनर्जी तथा महाविद्यालय के शिक्षक गण प्रो. अर्चना पाल, प्रो. अंशुमाला मिश्रा, सुश्री संगीता सहगल, डा. अजिता ओझा, डा. निर्मला गुप्ता, डा. फातिमा नूरी, डा. कस्तूरी भारद्वाज, डा. अंजलि शिवहरे, डा. विजयलक्ष्मी, डा. अनुराग पाण्डेय, डा.सुकृति मिश्रा,डा. माधुरी राठौर,डा. अंकिता चतुर्वेदी, डा.शालिनी सिंह, डा. शारदा , शोधार्थीगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थि उपस्थित रहे।

शोध प्रविधि विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज। सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के बी. ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) विभाग द्वारा प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे के दूरदर्शी मार्गदर्शन में 21 नवम्बर 2025 को 'शोध प्रविधि' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

यह व्याख्यान श्रीमती अपराजिता कुमार, सहायक प्रोफेसर, विधि संकाय, ग्राफिक एरा (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), देहरादून द्वारा प्रस्तुत किया गया, जो वर्तमान में एनएएलएसएआर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद से शोध कर रही हैं। उन्होंने पूर्व में क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु तथा सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे में अध्यापन किया है।

अतिथि वक्ता का स्वागत प्रो. अर्चना खरे, प्रो. सरोज सिंह और प्रो. रजत कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का समापन बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम की कोर्स कोऑर्डिनेटर श्रीमती रेनू सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रो. सरोज सिंह ने शोध की तकनीकों पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. अर्चना खरे ने विधि छात्रों हेतु ऐसे सार्थक व्याख्यानों के आयोजन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

यह व्याख्यान अत्यंत संवादात्मक रहा तथा विद्यार्थियों की विधि अनुसंधान संबंधी समझ को समृद्ध किया। कार्यक्रम में बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) विभाग के सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

बनारस में हुआ राजनीतिक डेमोलिशन

दालमंडी को लेकर योगी सरकार पर बरसे अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। वाराणसी के दालमंडी में मकान तोड़े जाने और चोड़ीकरण परियोजना को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तीखा हमला बोला।उन्होंने इसे ष्राजनीतिक डेमोलिशनष करार देते हुए कहा कि दालमंडी में भाजपा कभी जीतती नहीं, इसलिए यहां बदले की भावना से तोड़फोड़ कराई जा रही है। बनारस के कई बूथों का प्रिंट दिखाते हुए अखिलेश ने कहा कि बूथ देखिए तो दालमंडी में कभी भाजपा को वोट नहीं मिले। यहां वोट नहीं मिलते इसलिए यहां तोड़फोड़ हो रही है।अखिलेश ने कहा कि भाजपा वाले दूसरों को दुख–तकलीफ देने वाले लोग हैं। भाजपा को लोगों की दुकानें छीनने का अधिकार किसने दिया है। नकारात्मक सोच वाले कुदरत के फैसले से बच कर रहें। किसी दिन राजनीति उनकी ढह जाएगी। लखनऊ में हमने देखा कि अकबरनगर को पूरा ध्राशायी कर दिया। लोग हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट गए लेकिन कुछ नहीं हुआ। कई लोगों के मकान दुकान को अवैध घोषित करके कुछ हासिल नहीं होने देंगे। भाजपा वाले नक्शा पास कराने की बात करते हैं। मुख्यमंत्री आवास का नक्शा पास है क्या? इस सरकार ने अपनी जमीन अधिगृहित किया तो खूब मुआवजा लिया। मनचाहा मुआवजा लिया गया। इस बात को सदन में भी कहा था। जैसा मुआवजा आपने अपने जमीन का लिया, इन्हें भी वैसा ही मुआवजा दे दो। अखिलेश ने दावा किया कि सपा सरकार में बनारस के लिए मेट्रो का डीपीआर तैयार था। हमने लखनऊ–कानपुर में मेट्रो चला दी, अगर बनारस में यह लोग मेट्रो बना देते तो दालमंडी को तोड़ना नहीं पड़ता।दालमंडी में तोड़फोड़ को अंजाम दे रहे अधिकारियों को इशारों में चेताते हुए कहा कि महाराजगंज को याद कीजिए, क्या हुआ था? सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अधिकारियों से वसूली की जाए। यहां भी यही होगा, आज नहीं तो कल होगा। सब नोट हो रहा है। कुछ हमारे यहां नोट हुआ है। कुछ कुदरत के पास नोट हो रहा है। कहा कि हम लोगों ने फैसला ले लिया, इनके लिए कुछ करेंगे।उन्होंने योगी सरकार को अभी तक की सबसे करप्ट सरकार बताया और कहा कि यह सरकार जाने वाली है। बिहार में जीतने की बात पर कहा कि जीतने से क्या होता है? सिकंदर भी जीतकर अमर नहीं हुआ था। आप लोगों को दुख–तकलीफ दे रहे हो, थाने बुला रहे हो। अखिलेश ने 2024 लोकसभा चुनाव का जिक्र कर कहा कि तब भी इनके साथ चुनाव आयोग था, फिर भी सपा जीती।अखिलेश के साथ दालमंडी के कई दुकानदार भी मौजूद थे। उन लोगों ने आपबीती सुनाई। अखिलेश ने दुकानदारों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। अखिलेश यादव ने चेतावनी दी कि जनता जाग गई है और आने वाले समय में भाजपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। अयोध्या में कारोबारियों और आम लोगों ने ही भाजपा को हराया था।

आरसीएम की रूपांतरण यात्रा में नवोद्यमियों की सहभागिता, लखनऊ में मिला जबरदस्त जनसमर्थन

लखनऊ, संवाददाता। आरसीएम की राष्ट्रव्यापी रूपांतरण यात्रा के शुभारंभ के बाद से अब तक लाखों नवोद्यमी इससे जुड़ चुके हैं, जो कंपनी की जन–आधारित विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यात्रा का नवीनतम पड़ाव लखनऊ रहा, जहां हजारों नागरिकों ने स्वास्थ्य, सेवा और संस्कार को बढ़ावा देने वाली विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की। लखनऊ और इससे पहले आयोजित कई शहरों में लाखों लोगों की भागीदारी को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि 75 शहरों की इस यात्रा के 23 दिसंबर 2025 को समापन तक इसकी पहुँच लगभग एक मिलियन लोगों तक हो सकती है। लखनऊ कार्यक्रम में युवाओं, महिलाओं और परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने रक्तदान किया और स्वस्थ जीवनशैली व आत्मनिर्भरता के बारे में जानकारी प्राप्त की। लोगों का सामूहिक उत्साह इस बात का प्रमाण था कि वे केवल उपस्थित होने के लिए नहीं, बल्कि निःस्वार्थ योगदान देने के लिए आगे आए–यह दर्शाता है कि यात्रा किस प्रकार लोगों को स्वास्थ्य (्रीजीलं), सेवा (्रमूं) और संस्कार (्रदेंत) के तीन मूल स्तंभों पर कार्य करने के लिए प्रेरित कर रही है। उत्तर प्रदेश आरसीएम की विकास यात्रा में एक विशेष स्थान रखता है। राज्य ने हमेशा आरसीएम की पहलों के प्रति मजबूत जुड़ाव दिखाया है, जो यहां के लोगों के विश्वास और सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 16 सितंबर 2025 को रूपांतरण यात्रा की शुरुआत के बाद से अब तक 20,000 से अधिक लोग आरसीएम परिवार से जुड़ चुके हैं, जिससे कंपनी के दो मिलियन से अधिक सक्रिय एसोसिएट बायर्स के नेटवर्क को और मजबूती मिली है। जैसे–जैसे यात्रा अन्य शहरों की ओर अग्रसर है, यह संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। कंपनी के नेटवर्क का यह विस्तार न केवल सस्ते और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों पर लोगों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है, बल्कि महिलाओं, युवाओं और नवोद्यमियों को स्थायी स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में आरसीएम के प्रयासों को भी प्रतिबिंबित करता है। विशेष रक्तदान शिविर में लोगों की भारी भागीदारी रही, जिससे अब तक यात्रा के दौरान 2,000 से अधिक दाताओं का आंकड़ा पार हो चुका है। कार्यक्रम में नागरिकों को स्वस्थ और जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने वाली जन–जागरूकता गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। लखनऊ के लोगों ने इस यात्रा का भव्य स्वागत किया। हजारों लोग सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल ग्राउंड, कानपुर,हरदोई लिंक रोड, शकुन्तला मिश्रा विश्वविद्यालय के पास, सरोसा, लखनऊ में आयोजित इस आयोजन में शामिल हुए।

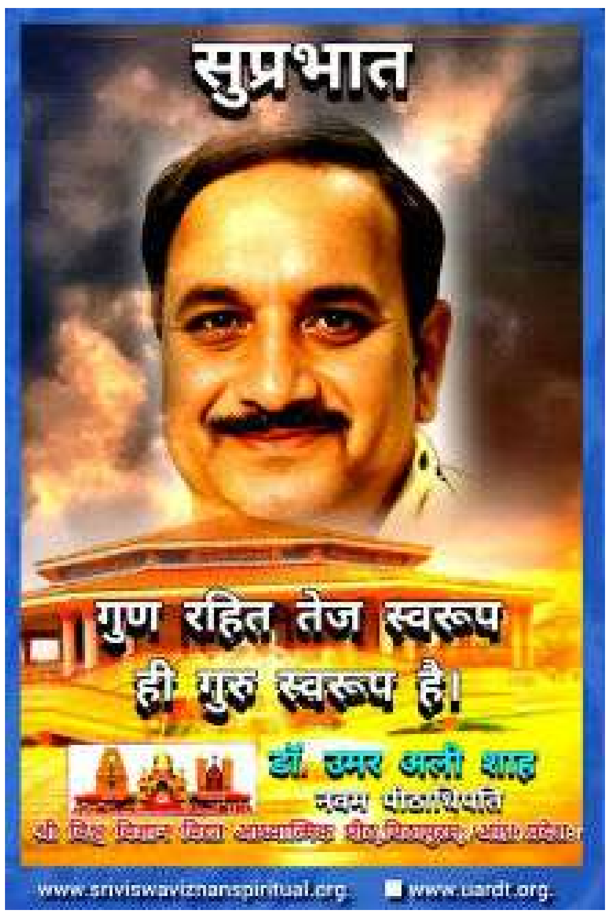

पैंसी फूल

'पैन्सी' संकर फूल है, खिलकर लाती भोर।
मूलक्षेत्र यूरोप है,मिलती है चहुँ ओर।
मिलती है चहुँ ओर, प्रकृति की बनी सहेली।
रहती सबके साथ,बनी न कभी पहेली।
सुन लो कहें प्रदीप, हमेशा परियों जैसी।
भरकर मोहक रंग, पंखुरी खोले 'पैंसीश।।

पैंसी के ही फूल को, कहते हैं बनफूल।
भरते हैं मुस्कान जो, मौसम के अनुकूल।
मौसम के अनुकूल, करे संरक्षण अपना।
उर्जित कर संसार, दिखाते सुन्दर सपना।
सुन लो कहें प्रदीप, देख पंखुड़िया इसकी।
परियाँ गाती गीत, बहुत प्यारा है पैंसी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

प्यारी तितली

सुबह–सवेरे आती तितली,
फूल–फूल पर जाती तितली ।
रंग बिरंग की होती तितलीं,
सबके मन को भाती तितली।

छोटी–बड़ी होती है तितली,
सभी फूलो की रस पीती तितली।
उपवन के शोभा बढ़ाती है तितली,
कितनी सुंदर होती है ये तितलीं।

छोटे बच्चो को खूब भाती तितली,
उछल–कुद कर बच्चे पकड़ते तितली।
कितनी लुभावन होती है तितली,
प्राकृती की सौंदर्य बढ़ाती है तितली।

सुजीत कुमार शर्मा
शंकरदेव विद्या निकेतन
विश्वनाथ चारिआली

सीएम योगी समेत कई नेताओं ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को दी जन्मदिन पर बधाई

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख नेताओं ने शुक्रवार को प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के जन्मदिन पर उनको हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दीं। मुख्यमंत्री योगी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर बधाई संदेश में कहा, ''उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। इसी पोस्ट में उन्होंने कहा, आपका स्नेहिल व्यक्तित्व, मातृवत् संवेदना और समाज सेवा के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की प्राप्ति हो। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर अपने एक बधाई संदेश में कहा, ''उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी, आपको जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

राष्ट्रीय लोकदल ने शुरू कर दी पंचायत व 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए तैयारी

लखनऊ, संवाददाता। राष्ट्रीय लोक दल पूरे उत्तर प्रदेश में तेजी से अपने संगठन को विस्तार देने, जनाधार को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय रूप से जोड़ने के व्यापक अभियान में जुटा हुआ है। पार्टी का उद्देश्य प्रदेश के हर जिले, हर तहसील और हर ग्राम पंचायत तक अपनी पहुँच बनाकर एक मजबूत राजनीतिक विकल्प के रूप में उभरना है। आगामी पंचायत चुनावों तथा उसके बाद 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय लोकदल, एनडीए गठबंधन के साथ पूर्ण शक्ति, रणनीति और सशक्त संगठन के बल पर चुनावी तैयारी में जुट गया है। राष्ट्रीय लोक दल अब केवल पश्चिम उत्तर प्रदेश की राजनीति तक सीमित नहीं है बल्कि पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर अपने जनाधार को सुदृढ़ कर रहा है। जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से लगातार सम्मेलन, सभाएं, संवाद कार्यक्रम तथा संगठनात्मक बैठकों का आयोजन किया जा रहा है।

सम्पादकीय.......

नक्सल के नासूर पर प्रहार

इसमें दो राय नहीं है कि शीर्ष माओवादी कमांडर हिडमा का मुठभेड़ में मारा जाना वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ देश की दशकों पुरानी लड़ाई में निर्णायक सफलताओं में से एक है। संगठन के शीर्ष नेतृत्व पर प्रहार से देश नक्सली हिंसा से मुक्ति की राह में कामयाबी की तरफ बढ़ा है। लगभग तीन दशकों तक हिडमा बस्तर में चौंकाने वाली रणनीतियों से बड़े हमलों को अंजाम देता रहा है। बताते हैं कि वह सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हुए सबसे घातक हमलों का मास्टरमाइंड रहा है। छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश की सीमा पर सुरक्षा बलों द्वारा हिडमा व उसकी पत्नी समेत छह नक्सलियों को मार गिराना केंद्र सरकार की उस रणनीति की सफलता को दर्शाता है, जिसमें 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य तय किया गया था। इसी साल मार्च में बीजापुर में जब 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था तब गृहमंत्री अमित शाह ने उनके फैसले का स्वागत करते हुए सभी का पुनर्वास करके, उन्हें राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने की बात कही थी। निस्संदेह, हिडमा का सफाया नक्सलवादी संचालन ढांचे के खात्मे और भारत में उग्रवाद विरोधी तंत्र की एक महत्वपूर्ण जीत का संकेत है। गुरिल्ला आर्मी की बटालियन–1 के कमांडर के रूप में हिडमा का उदय– वंचित युवाओं की भर्ती करने, उन्हें प्रशिक्षित करने और हथियार बनाने की उग्रवादी क्षमता का प्रतीक रहा है। उसकी गिनती सबसे खूंखार नक्सलवादी कमांडर के रूप में होती रही है। अब वर्ष 2010 का दंतेवाड़ा हमला हो या 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले बीस वर्षों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा की रणनीति बतायी जाती है। वहीं दूसरी ओर इन हमलों ने भारत की सुरक्षा रणनीति को नया रूप दिया। इससे पहले इसी साल मई में सुरक्षाबलों ने माओवादी संगठन के जनरल सक्रेटरी बसवराजू को भी मार गिराया था। वहीं इस साल विभिन्न मुठभेड़ों में तीन सौ से अधिक नक्सली मारे जाने से नक्सलवाद छोटे इलाके में सिमटा है। निस्संदेह, सुरक्षा बलों की तत्परता और सुनियोजित अभियानों से नक्सलवाद कमजोर जरूर हुआ है, लेकिन जरूरत उन परिस्थितियों को दूर करने की है, जिन्होंने नक्सलवाद को जन्म दिया। आवश्यकता उन मुद्दों के समाधान की है, जिसके चलते माओवाद को जड़ें जमाने का मौका मिला। बस्तर का अधिकांश क्षेत्र लगातार विकास की विसंगतियों, खनन से संसाधनों के मनमाने दोहन, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कारण विस्थापन व जनजातीय समुदायों और राज्य के बीच विश्वास की कमी से जूझता रहा है। अभी भी आदिवासियों की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, गुणवत्तापूर्ण स्कूलों, भूमि अभिलेखों और कल्याणकारी योजनाओं तक पूरी तरह पहुंच नहीं बन पायी है। दूर–दराज के कई गांवों में ग्रामीणों को प्रशासन का अनुभव नागरिक संस्थानों के बजाय सुरक्षा बलों की मौजूदगी से ही होता है। दरअसल, विकास की नीतियों से जुड़े वायदों और हकीकत का अंतर ही आदिवासियों में असंतोष को बढ़ाता है। भले ही माओवाद का प्रभाव कम हो जाए। वास्तव में जब तक शासन जिम्मेदार, जवाबदेह और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील नहीं बन पाता, तब तक माओवादी संस्कृति के पनपने की आशंकाएं बनी रहेंगी। दरअसल,क्षेत्र में तंत्र की अनुपस्थिति ने ही चरमपंथियों को आदिवासियों के रक्षक के रूप में पेश करने का मौका दिया। निस्संदेह, सुरक्षा बलों ने माओवाद के खात्मे की दिशा में बड़ा काम कर दिया है, अब राज्यों के पास इस रणनीतिक जीत को स्थायी शांति में बदलने का अच्छा अवसर है। इसकी प्राप्ति के लिये यह सुनिश्चित करना जरूरी होगा कि सड़कें, स्कूल, नागरिक अधिकार व आजीविका बस्तर के वनाच्छादित इलाकों तक पहुंचे। तभी देश नक्सली हिंसा के दंश से भविष्य में मुक्त रह पाएगा। अभी नक्सवादियों पर जो चौतरफा दबाव बना है और जिस तरह से नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं, उसके निहितार्थों को स्थायी बनाने की जरूरत है। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि नक्सल प्रभावित इलाकों में जारी सघन अभियान से बच निकलकर नक्सली देश के अन्य राज्यों में नये ठिकाने न तलाश लें। साथ ही समर्पण करने वाले नक्सलियों को राष्ट्र की मुख्यधारा में शामिल करने के संवेदनशील प्रयास भी बेहद जरूरी हैं।

सड़क पर उतरने की तैयारी में कांग्रेस

डॉ. दीपक पाचपोर

तमिलनाडु के बूथ स्तर के अधिकारी बीएलओ के साथ ही तहसीलदार स्तर तक के अधिकारियों ने मंगलवार से बहिष्कार का ऐलान किया था।

बिहार चुनाव में हार के बाद एक बार फिर कांग्रेस के पतन की भविष्यवाणी होने लगी है। कई स्वनामधन्य पत्रकारों ने विश्लेषण करना शुरु कर दिया है कि राहुल गांधी जिन राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए जाते हैं, वहां कांग्रेस को किस तरह हार मिलती है। ऐसा लगता है मानो बिहार में भाजपानीत एनडीए की जीत नहीं, महागठबंधन की हार इनके लिए ज्यादा मायने रखती है। अब यह सबका अपना विवेक है कि वे बिहार के चुनाव परिणामों का विश्लेषण किस तरह करते हैं। लेकिन इस बीच कांग्रेस ने मौजूदा हाल पर गहन मंथन शुरु कर दिया है। एक तरफ कांग्रेस ने सांगठनिक स्तर पर कार्रवाई आरंभ की है, तो दूसरी तरफ चुनावी धांधली के खिलाफ सड़कों पर उतरने की उसकी तैयारी है।कांग्रेस विरोधियों को यह देखकर निराशा हो सकती है कि 14 नवंबर को आए नतीजों के चार दिन बाद ही कांग्रेस ने एक बड़ी बैठक बुला ली। हार से परेशान होकर उसके नेता घरों में बंद नहीं हुए। बल्कि इन परिणामों की समीक्षा कर नयी रणनीति बनाने में जुट गए। मंगलवार 18 नवंबर को दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में उन 12 राज्यों के एआईसीसी महासचिवों, कांग्रेस प्रभारियों, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों समेत बड़े पदाधिकारियों की एक बैठक हुई, जहां अभी चुनाव आयोग विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया चला रहा है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तो थे ही, राहुल गांधी भी इसमें शामिल हुए।बता दें कि अपने दैनिक एसआईआर बुलेटिन में चुनाव आयोग ने कहा था कि 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 50.11 करोड़ गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं। इन राज्यों में तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। जिसमें पुडुचेरी के अलावा बाकी तीनों राज्यों में एसआईआर के खिलाफ राज्य सरकारों ने आपत्ति दर्ज कराई है। तमिलनाडु और प.बंगाल से एसआईआर रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है और इन राज्यों की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी हुई है। वहीं केरल सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर रोकने की याचिका दायर की है। याचिका में केरल सरकार ने एसआईआर प्रक्रिया को राज्य में चल रही स्थानीय स्वशासन संस्थाओं (एलएसजीआई) की चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक रोकने की मांग की है। गौरतलब है कि केरल में स्थानीय निकाय चुनाव दो चरणों में 9 दिसंबर और 11 दिसंबर को कराए जाएंगे, जबकि राज्य में 4 नवंबर से एसआईआर प्रक्रिया शुरू हो गई है और 4 दिसंबर को ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा। केरल सरकार का तर्क है कि केरल पंचायत राज कानून संवैधानिक प्रक्रिया है और इस अहम प्रक्रिया के दौरान एसआईआर कराना, प्रशासनिक गतिरोध पैदा हो सकता है। जबकि तमिलनाडु में अधिकारी और कर्मचारी ही एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। तमिलनाडु के बूथ स्तर के अधिकारी बीएलओ के साथ ही तहसीलदार स्तर तक के अधिकारियों ने मंगलवार से बहिष्कार का ऐलान किया था। तमिलनाडु राजस्व कर्मचारी संघों के संगठन ने कहा कि वे काम का बोझ, कम लोग, समयबद्ध दबाव, अधूरी ट्रेनिंग और मेहनताने के विरोध में प्रदर्शन करेंगे। ये विरोध और अदालत में पहुंचती याचिकाएं बता रही हैं कि निर्वाचन आयोग और उसका साथ देती भाजपा मतदाता सूची शुद्धिकरण के जितने तर्क दें, उन शंकाओं का समाधान फिर भी नहीं हो पा रहा, जिनमें वैध मतदाताओं के नाम काटने की बात कही गई है।इधर भाजपा शासित असम में भी अगले साल विधानसभा चुनाव होना है। लेकिन आयोग ने पूर्वोत्तर के इस राज्य के लिए श्विशेष पुनरीक्षणश यानी केवल एसआर की घोषणा की है। इसे लेकर भी विपक्ष हमलावर है और सवाल उठा रहा है कि यहां एसआईआर क्यों नहीं किया जा रहा है, क्या यह भाजपा का दोहरा मापदंड नहीं है। बहरहाल, जैसे बिहार एसआईआर में आपत्तियों को अनसुना किया गया, वही रवैया अब भी अपनाया जाएगा, यह तय है। लेकिन इस बार कांग्रेस ने आवाज बुलंद करने के लिए सड़कों पर उतरने का फैसला लिया है। मंगलवार की बैठक में यह भी तय हुआ है कि दिसम्बर के पहले सप्ताह में रामलीला मैदान में विशाल रैली आयोजित की जाएगी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बताया कि इस रैली में हम चुनाव आयोग के राजनीतिकरण का पर्दाफाश करेंगे। चुनाव आयोग ने जैसा बिहार में किया, वही नीति बाकी राज्यों में अपनाई जाएगी। एसआईआर को लेकर हम बिहार चुनाव के पहले से सवाल उठा रहे हैं। हमने बिहार में श्वोटर अधिकार यात्राश भी निकाली थी और देश को बताया था कि एसआईआर में बहुत सारी गड़बड़ियां हैं। एसआईआर के बारे में सुप्रीम कोर्ट के 5 आदेश आए, जो कि चुनाव आयोग की बदनीयत को दिखाते थे और उसे सुप्रीम कोर्ट ने भी देखा। कांग्रेस पार्टी ने देशभर में एक शहस्ताक्षर अभियानश चलाया, जिसमें 5 करोड़ हस्ताक्षर इकठ्ठा हुए हैं। ये पार्टी स्तर से चलाया जाने वाला अभियान रहा। अगर वोटर का अधिकार छीना जाएगा तो हम सब आवाज उठाएंगे और यह हमारा कर्तव्य है।कांग्रेस का ये ऐलान भाजपा को तो परेशान करेगा ही, चुनाव आयोग के लिए भी चुनौती खड़ी करेगा। क्योंकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी संस्थानों के पक्षपातपूर्ण दुरुपयोग से लोकतांत्रिक सुरक्षा उपायों को नष्ट नहीं होने देगी। चुनाव आयोग को साबित करना होगा कि वह भाजपा की छाया में काम नहीं कर रहा है और उसे अपनी संवैधानिक शपथ और भारत के लोगों के प्रति निष्ठा याद है, किसी सत्तारूढ़ दल के प्रति नहीं। श्री खड़गे ने कहा, हमारा दृढ़ विश्वास है कि भाजपा वोट चोरी के लिए एसआईआर प्रक्रिया को हथियार बनाने का प्रयास कर रही है। यदि निर्वाचन आयोग इसे नजरअंदाज करता है, तो वह विफलता सिर्फ प्रशासनिक नहीं है, यह संलिप्तता है। जाहिर है कांग्रेस एक बार फिर बड़ी लड़ाई लड़ने की तैयारी में है। एसआईआर पर आर–पार की लड़ाई किस नतीजे पर आती है, इसी पर देश के संविधान और लोकतंत्र का भविष्य टिका है।

चुनाव आयोग की विश्वसनीयता और कम हुई

विपिन पब्बी

बिहार में अभूतपूर्व जीत का श्रेय राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एन.डी.ए.) को जाता है। नीतीश कुमार की व्यक्तिगत छवि और बिहार में भारतीय जनता पार्टी द्वारा अपनाई गई चतुर राजनीतिक रणनीति ने मिलकर गठबंधन को भारी बहुमत दिलाया। हालांकि चुनाव में भारी मतदान को देखते हुए गठबंधन की जीत लगभग तय थी लेकिन जीत की व्यापकता ने एन.डी.ए. के नेताओं को भी चौंका दिया होगा। लेकिन एन.डी.ए. का एक बाहरी सहयोगी, जिसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और जिसका नाम लेना भी जरूरी है, वह था भारत का चुनाव आयोग। यह याद करना मुश्किल है कि आयोग ने कभी बिहार चुनावों में जिस तरह पक्षपातपूर्ण तरीके से काम किया है, वैसा पहले कभी किया हो। इसका सबसे बेशर्मी भरा काम उस खुलेआम रिश्वतखोरी पर आंखें मूंद लेना था जिसकी अनुमति राज्य सरकार ने चुनाव की पूर्व संध्या पर बिहार की 1.76 करोड़ महिलाओं को 10,000 रुपए नकद देने की घोषणा करते समय दी थी। सरकार ने यह भी संकेत दिया कि यह राशि केवल अग्रिम राशि है और अगर सरकार सत्ता में वापस आती है तो इन महिलाओं को 6 महीने के भीतर उद्यम शुरू करने के लिए 2 लाख रुपए तक की राशि दी जाएगी। 10,000 रुपए की राशि और 2 लाख रुपए का वादा, राज्य के लोगों के लिए वास्तव में एक बड़ी राशि है, जहां प्रति व्यक्ति आय देश में सबसे कम लगभग 30,000 रुपए प्रति वर्ष है जबकि अखिल भारतीय स्तर पर यह एक लाख रुपए प्रतिवर्ष से थोड़ा अधिक है। अपनी रणनीति के तहत एन.डी.ए. ने विधानसभा चुनावों की आधिकारिक घोषणा और आदर्श आचार संहिता लागू होने से कुछ दिन पहले ही इस योजना की घोषणा की। घोषणा का समय इस तरह से तय किया गया था कि चुनाव प्रचार के दौरान और मतदान से एक दिन पहले तक महिलाओं के बैंक खातों में धनराशि जमा हो जाए। इस योजना की घोषणा के समय के लिए चुनाव आयोग को दोषी नहीं ठहराया जा सकता लेकिन चुनावों की घोषणा के बाद नकदी हस्तांतरण पर रोक न लगाने के लिए वह निश्चित रूप से दोषी है। कोई भी चुनाव आयोग, जिसमें थोड़ा भी आत्मसम्मान होता, ऐसा करता। इसे एक चालू योजना के बहाने से पारित करना लोकतांत्रिक सिद्धांतों का मजाक उड़ाना था। दरअसल, इसने राज्य सरकार को नकदी वितरण के लिए विशेष अनुमति दी थी। चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने तक वह नकदी हस्तांतरण पर रोक क्यों नहीं लगा सका? इस तरह के एक स्पष्ट कृत्य की ओर से आंखें मूंद लेने से भारत के चुनाव आयोग की विश्वसनीयता और कम हुई है, जिसकी आलोचना सरकार के चापलूस होने के आरोप के साथ हो रही थी, खासकर जब से सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के चयन के नियमों में संशोधन किया है। यह एक अलग तरह की 'वोट चोरी' को बढ़ावा दे रहा है न कि वह जो विपक्ष के नेता राहुल गांधी पिछले कुछ महीनों से आरोप लगा रहे थे। वास्तव में, राहुल गांधी मतदाताओं और यहां तक कि अपनी पार्टी के नेताओं को भी यह समझाने में विफल रहे हैं कि तथाकथित फर्जी वोट वास्तव में भारतीय जनता पार्टी को गए थे। यहां तक कि उनका 'हाइड्रोजन बम' भी बेकार साबित हुआ क्योंकि वे एक भी मतदाता को यह दावा करने के लिए पेश नहीं कर पाए कि उनका वोट किसी और ने डाला है। चुनाव आयोग को चुनाव प्रचार के चरम पर होने के बावजूद नकदी हस्तांतरण पर रोक लगाने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए था लेकिन राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियां महिलाओं की प्रतिक्रिया के डर से इस योजना का विरोध करने से कतरा रही थीं। इसके बजाय, राजद के तेजस्वी यादव ने राज्य के प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का वादा करके मतदाताओं को आकात

करने के लिए एक योजना की घोषणा की। यह वादा इतना हास्यास्पद था कि राज्य में कोई भी इस पर विश्वास करने को तैयार नहीं था। ऐसा इसलिए क्योंकि राज्य में सरकारी कर्मचारियों की वर्तमान संख्या केवल 20,000 है और वह 2.6 करोड़ नौकरियों का वादा कर रहे थे, जिसकी लागत 6,50,000 करोड़ रुपए होगी! उन्होंने अगले 5 वर्षों तक 'पात्र महिलाओं' को 2500 रुपए प्रति माह देने का भी वादा किया था। जाहिर है, मतदाताओं के लिए हाथ में नकदी, बेतुके वादों से ज्यादा विश्वसनीय थी। हालांकि, नीतीश कुमार को यह श्रेय देना होगा कि 1.76 करोड़ महिलाओं को केवल 10,000 रुपए का नकद हस्तांतरण ही एकमात्र कारक नहीं था जिसने उन्हें लगातार पांचवीं बार सत्ता में पहुंचाया। महिला कल्याण और सशक्तिकरण पर उनके ध्यान ने उन्हें लगभग दो दशक पहले हाई स्कूल की लड़कियों को साइकिल देने से लेकर कई लाभ दिए हैं। उन्होंने उन लड़कियों को सशक्त बनाया और अब उनमें से ज्यादातर युवा माताएं हैं जिन्हें 2 लाख रुपए तक के अनुदान के वादे के साथ व्यवसाय शुरू करने के लिए 10,000 रुपए मिले हैं। विवाद का विषय चुनाव की पूर्व संध्या पर इस विशेष योजना की घोषणा और चुनाव आयोग द्वारा प्रचार के चरम के दौरान नकद हस्तांतरण की अनुमति देना है। काश, नीतीश कुमार चुनाव से कुछ महीने या साल पहले 10,000 रुपए की योजना की घोषणा कर पाते। लेकिन शायद उन्हें यह आशंका थी कि जनता की याददाश्त कमजोर हो सकती है।

'मुस्लिम–लीग माओवादी कांग्रेस' का मतलब क्या?

बलबीर पुंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कांग्रेस को 'मुस्लिम–लीग माओवादी कांग्रेस' कहने और उसे 'देश के लिए खतरा' बताने का निहितार्थ क्या है? इस विचार को प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार नहीं बल्कि 3 अवसरों पर व्यक्त किया है। पहले 14 नवम्बर को बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राजग गठबंधन द्वारा दर्ज प्रचंड जीत पर दिल्ली में भाजपा समर्थकों को संबोधित करते हुए। फिर 15 नवम्बर को गुजरात स्थित सूरत के एक कार्यक्रम में और इसके बाद 17 नवम्बर को दिल्ली में आयोजित रामनाथ गोयनका के व्याख्यान में। प्रधानमंत्री के मुताबिक, ''10–15 साल पहले कांग्रेस में जो अर्बन–नक्सली माओवादी पैर जमा चुके थे, अब वो कांग्रेस को 'मुस्लिम–लीग माओवादी कांग्रेस' (एम.सी.सी.) बना चुके हैं। मैं पूरी जिम्मेदारी से कहता हूं कि मुस्लिम–लीग माओवादी कांग्रेस अपने स्वार्थ में देश के लिए खतरा बनती जा रही है।'' कांग्रेस की यह छवि एकाएक नहीं बनी है और न ही यह मात्र कोई चुनावी या राजनीतिक जुमलेबाजी है। कांग्रेस का संकट बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे पर उसके आधिकारिक वक्तव्य से स्पष्ट है, जिसमें पार्टी नेतृत्व मतदाता द्वारा नकारे जाने को फर्जी 'वोट चोरी' का परिणाम बता रही है। दरअसल, वर्तमान कांग्रेस के शीर्ष नेता और लोकसभा में नेता–विपक्ष राहुल गांधी जिस विभाजनकारी मार्ग पर चल रहे हैं,उसकी प्रेरणा उन्हें अपने परिवार ही से मिली है। वर्ष 1950 से राहुल के परनाना पंडित जवाहरलाल नेहरू ने जिस विकृत सैकुलरवाद को अपनाया, उसने देश में इस्लामी कट्टरता और ङ्क्षहदू–विरोधी शक्तियों को नया जीवनदान दिया। पहले उन्होंने जम्मू–कश्मीर के इस्लामी स्वरूप को बरकरार रखने हेतु अनुच्छेद 370–35ए को संविधान में बिना चर्चा के 'चोर दरवाजे' से शामिल करवाया तो बहुसंख्यकों के लिए 'हिंदू कोड बिल' लागू करके मजहबी स्वतंत्रता के नाम पर मुस्लिम समाज को हलाला और तीन तलाक जैसी कुरीतियों के साथ छोड़ दिया। पं. नेहरू के लिए हिंदू मंदिर 'दमनकारी' तो केवल हिंदू ही

'सांप्रदायिक' थे। कालांतर में उनके द्वारा अपनाई समाजवाद प्रेरित नीतियों ने भारतीय आर्थिकी को ध्वस्त कर दिया, जिसकी चर्चा पिछले कुछ लेखों में की जा चुकी है। यह विकृति राहुल की दादी इंदिरा गांधी के शासन में और बढ़ गई। उन्होंने 1969 में कांग्रेस टूटने के बाद अपने धड़े की वैचारिक संगोष्ठी उन वामपंथियों के हाथों में सौंप दी जो अधिनायकवाद को बढ़ावा देने के साथ न तो तब स्वयं को भारत की बहुलतावादी सनातन संस्कृति से जोड़ पाए थे न ही अब जोड़ पाते हैं। इसके परिणामस्वरूप, अदालत द्वारा अपनी 'वोट चोरी' पकड़े जाने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल (1975–77) थोप दिया। इसी दौरान अयोध्या में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के प्रमाण संबंधित उत्खनन रिपोर्ट को भी दबा दिया गया। कालांतर में पंजाब में अपने विरोधी अकाली दल को हाशिए पर पहुंचाने हेतु उन्होंने मृत 'खालिस्तान' विचार को अपने क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थ और सत्ता हथियाने की लालसा में पुनर्जीवित कर दिया। इसका उल्लेख गैर–राजनीतिक, पूर्व आई.पी.एस. अधिकारी और भारतीय खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग' (रॉ) में वर्षों जुड़े रहने के बाद सेवानिवृत हुए गुरबख्श सिंह सिद्धू ने अपनी पुस्तक 'द खालिस्तान कांस्पीरेसी' में किया है। जैसे 1980 के दशक में भिंडरांवाले को आगे रखकर इंदिरा गांधी ने हिंदू–सिख संबंधों को लेकर आत्मघाती राजनीति की, ठीक उसी तरह राहुल के पिता राजीव गांधी ने वर्ष 1986 के शाहबानो मामले से 'मुस्लिम वोटबैंक' का बिगुल फूंक दिया। तब मुस्लिम कट्टरपंथियों के आगे घुटने टेकते हुए तत्कालीन राजीव सरकार ने संसद में प्रचंड बहुमत के बल पर मुस्लिम महिला उत्थान की दिशा में आए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को पलट दिया था। कालांतर में मुस्लिम–विरोध के कारण ही सलमान रशीद की 'सैटनिक वर्सेज'(1988)और तस्लीमा नसरीन की 'लज्जा' (1993) पुस्तकों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। भले ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता (दिवंगत) डा.मनमोहन सिंह 2004–2014 के बीच देश के प्रधानमंत्री रहे परंतु उन्हें दिशा–निर्देश असंवैधानिक 'राष्ट्रीय सलाहकार परिषद' (एन.ए.सी.) से मिलते थे, जिसका नेतृत्व तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्षा और राहुल की माता जी सोनिया गांधी कर रही थीं। एन.ए.सी.में ऐसे लोग शामिल थे,जिनका राष्ट्रहित की बजाय वैचारिक एजेंडे (वामपंथ सहित) से अधिक सरोकार था। इसी कालखंड में 2002 के उस नृशंस गोधरा कांड, जिसमें जिहादियों ने भजन–कीर्तन कर रहे 59 हिंदुओं को ट्रेन में जिंदा जला दिया था, उसे 'हादसा' बताकर रफा–दफा करने का असफल प्रयास किया गया। घुमा–फिराकर 'देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का' बता दिया। हलफनामा देकर सर्वोच्च न्यायालय में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम को काल्पनिक कह दिया। वैश्विक रूप से स्थापित जिहादी आतंकवाद–कट्टरवाद को तब देश में 'इस्लामोफोबिया' घोषित करने हेतु मनगढ़ंत 'ङ्क्षहदू–भगवा आतंकवाद' का हौव्वा खड़ा कर दिया। इसके अंतर्गत वर्ष 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले (26द्म11) में असली दोषी (पाकिस्तानी आतंकियों) को क्लीनचिट देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को फंसाने का फर्जी नैरेटिव बुना गया। यासीन मलिक जैसे खूंखार जिहादियों से सहानुभूति रखते हुए उसे राजकीय मंच दिया गया। वर्ष 2014 से कांग्रेस अपने शीर्ष नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में लगातार तीन लोकसभा चुनाव और दर्जनों विधानसभा चुनाव हार चुकी है। अपने निरंतर घटते जनाधार की ईमानदार समीक्षा करने की बजाय कांग्रेस ने भाजपा से अलग दिखने के लिए प्रत्यक्ष–परोक्ष रूप से उन विभाजनकारी शक्तियों, विशेषकर वामपंथी–जिहादी चिंतन को आत्मसात कर लिया है।

120 बहादुर की स्पेशल स्क्रीनिंग में सचिन तेंदुलकर, रेखा, जावेद अख्तर सहित कई सितारों ने की शिरकत

> ट्रेलर में जोश और प्रेरणा का बढ़िया मिश्रण है, जो दर्शकों को भारत की सबसे बड़ी लड़ाई का एक अनकहा किस्सा दिखाता है। इसमें १२० बहादुर भारतीय सैनिकों ने रिजांग ला की लड़ाई में ३,००० चीनी सैनिकों के खिलाफ अपनी पोस्ट की रक्षा की।

इस शुक्रवार रिलीज होने वाली फिल्म 120 बहादुर, जिसे एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज ने बनाया है, की चर्चा अब चरम पर है। ट्रेलर में जोश और प्रेरणा का बढ़िया मिश्रण है, जो दर्शकों को भारत की सबसे बड़ी लड़ाई का एक अनकहा किस्सा दिखाता है। इसमें 120 बहादुर भारतीय सैनिकों ने रिजांग ला की लड़ाई में 3,000 चीनी सैनिकों के खिलाफ अपनी पोस्ट की रक्षा की। इस उत्साह के बीच, मुंबई में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई, जिसमें प्रोड्यूसर, कास्ट, क्रू मेंबर्स और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री समेत कई प्रमुख हस्तियों की मौजूदगी रही। फिल्म 120 बहादुर की स्पेशल स्क्रीनिंग वाकई एक बड़े सेलिब्रिटी इवेंट की तरह रही। प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर, अमित चंद्रा और डायरेक्टर रजनीश "रेजी" घई ने स्क्रीनिंग में हिस्सा लिया, साथ ही कास्ट के सदस्य राशी खन्ना, स्पर्श वालिया, बृजेश करनवाल, साहिब वर्मा, अतुल सिंह, देवेंद्र अहिरवार, धनवीर सिंह, अशुतोष शुक्ला, अंकित सिवाच, दिग्विजय प्रताप, विवान भटेना, ईजाज खान और अजिंक्य देव भी मौजूद रहे। इसके अलावा, इस स्क्रीनिंग में भी एंटरटेनमेंट और खेल जगत के जाने–माने हस्तियों ने भी शिरकत की। खास मेहमानों में करण जौहर, तब्बू, रोहित शर्मा, सचिन तेंदुलकर, रेखा, ऋतिक रोशन, रणवीर सिंह, शिबानी दांडेकर, तमन्ना भाटिया, अर्जुन रामपाल, जावेद अख्तर, काजोल, सोनल चौहान, जहीर खान, अनुपम खेर, सोनी रजदान, विजय वर्मा, वेदांग रैना, अनित पद्दा और कई अन्य शामिल थे। वहां मौजूद सभी लोगों से फिल्म को बहुत प्यार और सराहना मिली। फिल्म 120 बहादुर 1962 के युद्ध में लड़ी गई मशहूर रेजांग ला की लड़ाई में भारतीय सेना की 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 जवानों की अद्भुत वीरता को दिखाती है। फिल्म में फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह भाटी (पीवीसी) की भूमिका निभा रहे हैं, जिन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर हर मुश्किल का सामना किया और भारतीय सेना के इतिहास की सबसे यादगार लड़ाइयों में से एक में बहादुरी की मिसाल पेश की। ऐसे बता दें कि इस फिल्म के दिल में एक दमदार पंक्ति गूंजती है हम पीछे नहीं हटेंगे। यह पंक्ति अडिग संकल्प और अटूट देशभक्ति को दर्शाती है। 120 बहादुर का निर्देशन रजनीश श्रेजीश घई ने किया है और इसे रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज) ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

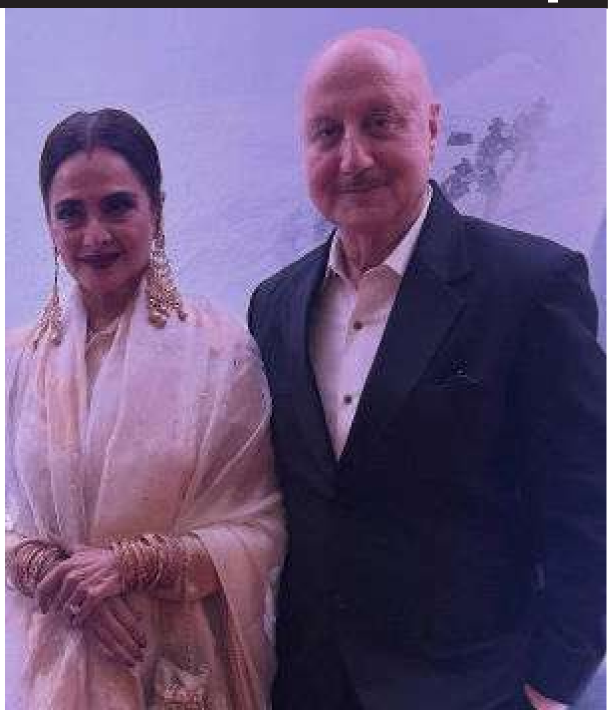

अनुपम खेर ने रेखा के लिए लिखा दिल छू लेने वाला नोट, 120 बहादुर के प्रीमियर पर हुई खास मुलाकात, 'अनंत सौंदर्य' की उपमा

अभिनेता अनुपम खेर ने बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा रेखा के लिए दिल को छू लेने वाला नोट लिखा है। एक कार्यक्रम में रेखा से हुई भावुक मुलाकात के बाद खेर ने उन्हें शालीनता, सौंदर्य और मिलनसार व्यक्तित्व की जीती–जागती मिसाल बताया। अनुपम खेर ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच से अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फरहान अख्तर अभिनीत फिल्म 120 बहादुर के प्रीमियर से दो तस्वीरें साझा कीं। पहली तस्वीर में दोनों कलाकार एक साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीर में रेखा हल्के रंग की साड़ी के साथ आकर्षक बालियां पहने नजर आ रही हैं, वहीं अनुपम पेशेवर कपड़े पहने दिखाई दिए। अगली स्लाइड में अनुपम की एकल तस्वीर थी। उन्होंने इन तस्वीरों के कैप्शन में लिखा, फिल्म 120 बहादुर के प्रीमियर परऱेखा जी से मिलकर खुशी हुई। वह न केवल शालीनता और सौंदर्य की, बल्कि दूसरे व्यक्ति की सराहना करने की गरिमा और महानता का भी प्रतीक हैं! उनके जैसी कोई नहीं है और न कभी होगी। वह शाश्वत हैं! उन्होंने अपनी पोस्ट के अंत में प्रतिमा , महान और सिनेमा शब्द लिखकररेखा को बयां किया। अनुपम और रेखा ने फिल्म सुपर नानी में आखिरी बार एक साथ काम किया था। 120 बहादुर, रेज़ांग ला (1962) की लड़ाई से प्रेरित है, जो भारतीय मिलिट्री इतिहास का एक अहम पल था जब चार्ली कंपनी के 120 सैनिकों ने 3000 से ज़्यादा चीनी सैनिकों का डटकर सामना किया था। 120 बहादुर, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 भारतीय सैनिकों की अनोखी कहानी बताती है, जिन्होंने 1962 के युद्ध के दौरान रेज़ांग ला की मशहूर लड़ाई में बहादुरी से लड़ाई लड़ी थी। फरहान मेजर शैतान सिंह भाटी, स्टक के रोल में हैं, जो भारतीय मिलिट्री इतिहास के सबसे अहम पलों में से एक में अपने सैनिकों को लीड करते हैं। यह फिल्म रेज़ांग ला की लड़ाई के बारे में है, जिसे भारत–चीन युद्ध की बड़ी घटनाओं में से एक माना जाता है और यह 18 नवंबर 1962 को लड़ी गई थी, जब चार्ली कंपनी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 सैनिकों ने, जो पूरी तरह से अहीर थे, 3000 लोगों की चीनी सेना की टुकड़ी के खिलाफ अपनी पोस्ट का बचाव किया, जिसमें उनके 1300 से ज़्यादा सैनिक मारे गए। रजनीश 'राज़ी' घई द्वारा डायरेक्टेड और रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर और अमित चंद्रा द्वारा प्रोड्यूस की गई, 120 बहादुर 21 नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। अनुपम की बात करें तो, उनकी लेटेस्ट रिलीज़ तन्वी द ग्रेट है। यह फिल्म 21 साल की ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम वाली महिला तन्वी रैना पर आधारित है, जो अपनी माँ विद्या और दादा कर्नल प्रताप रैना के साथ रहती है। अपने गुज़र चुके पिता, कैप्टन समर रैना, जो एक इंडियन आर्मी ऑफिसर थे और सियाचिन ग्लेशियर पर झंडे को सलामी देने का सपना देखते थे, उनसे प्रेरित होकर तन्वी उनके नक्शेकदम पर चलने और खुद उनका सपना पूरा करने के लिए आर्मी में शामिल होने का पक्का इरादा कर लेती है।

रवि और सरगुन ने दिया कृष किशोर को इंडियाज गॉट टैलेंट पर बड़ा मौका

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के ब्लॉकबस्टर टैलेंट रियलिटी शो इंडिया'ज गॉट टैलेंट, जो अपने अजब एक्ट्स और गजब सरप्राइज के लिए जाना जाता है, का ताजा एपिसोड एक संगीतमय जश्न में तब्दील हो गया जब रियल लाइफ पावर कपल सरगुन मेहता और रवि दुबे अपने नए ट्रैक 'फना कर दे' के प्रमोशन के लिए शो पर पहुंचे। जज मलाइका अरोड़ा, नवजोत सिंह सिद्धू, और शान, तथा होस्ट हर्ष लिंबाचिया के साथ, सेट पर उनकी मौजूदगी ने शुरुआत से ही जोश और ऊर्जा भर दी, जिससे मेलोडी, गर्मजोशी और अनपेक्षित लम्हों से भरा एपिसोड शुरू हुआ। शाम का सबसे खघस पल तब शुरू हुआ जब प्रतियोगी कृष्ण और किशोरकृअपनी सुरीली आवाजों के लिए मशहूर भाई की जोड़ीकृने अपने एक्ट में एक मजेदार ट्विस्ट पेश किया। खुद गाना चुनने के बजाय, उन्होंने दर्शकों को फैसला करने दिया। दर्शकों ने 'दिल दियां गलां', 'आज दिन चढ़ेया', 'हौले हौले', और 'मैं अगर कहूँ' जैसे पसंदीदा गानों के नाम पुकारे, और भाइयों ने हर बार एक दिल छू लेने वाला प्रदर्शन दिया, जिसने जजों और गेस्ट दोनों का दिल जीत लिया। लेकिन रात का सबसे यादगार पल इसके तुरंत बाद आया। जैसे ही कृष्ण और किशोर ने 'वे हानिया' गाया, सरगुन और रवि भी मंच पर आ गए और उनके साथ थिरकते हुए इस परफॉर्मेंस को एक भावनात्मक और खूबसूरत जश्न में बदल दिया। इसी संगीतमय जुड़ाव ने रवि को इस गाने से जुड़ी अपनी भावनाएँ साझा करने के लिए प्रेरित किया। रवि दुबे ने कहा, "यह गाना हमारे सपने का बहुत बड़ा हिस्सा है, क्योंकि हमने दो साल पहले अपना म्यूजिक लेबल लॉन्च किया था और संयोग से यह हमारे लेबल का पहला गाना था। सरगुन ने जोड़ा, "आप लोग बहुत अच्छा गाते हैं। जब भी आपको हमारी जरूरत होगी, हम हमेशा आपके साथ रहेंगे। हम अब बहुत बड़ा म्यूजिक लेबल हैंकृहमारा लेबल हमेशा नए टैलेंट के लिए तैयार है, और जो कुछ करना चाहते हैं, हम भी उनके साथ कुछ करना चाहते हैं। इसके बाद रवि ने भाइयों को एक दिल छू लेने वाला, जिंदगी बदल देने वाला ऑफर दिया और कहा कि वे हमेशा उनके लेबल से जुड़ने के लिए स्वागत योग्य हैं। इसके बाद इस कपल ने 'फना कर दे' पर एक धमाकेदार और हाई–वोल्टेज परफॉर्मेंस देकर मंच पर आग लगा दी। उनकी केमिस्ट्री, ऊर्जा और स्टेज प्रेजेन्स ने इस सीजन के सबसे यादगार "गजब" लम्हों में से एक बना दिया। इंडिया'ज गॉट टैलेंट के सभी सुरमयी, जादुई और अजब–गजब पलों को देखना न भूलेंकृहर शनिवार और रविवार रात 9.30 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी टीवी पर।

गुस्ताख इश्कः शायरी, सुकून और पुराने दौर की मोहब्बत से लिपटी मनीष मल्होत्रा की दिलकश लव स्टोरी

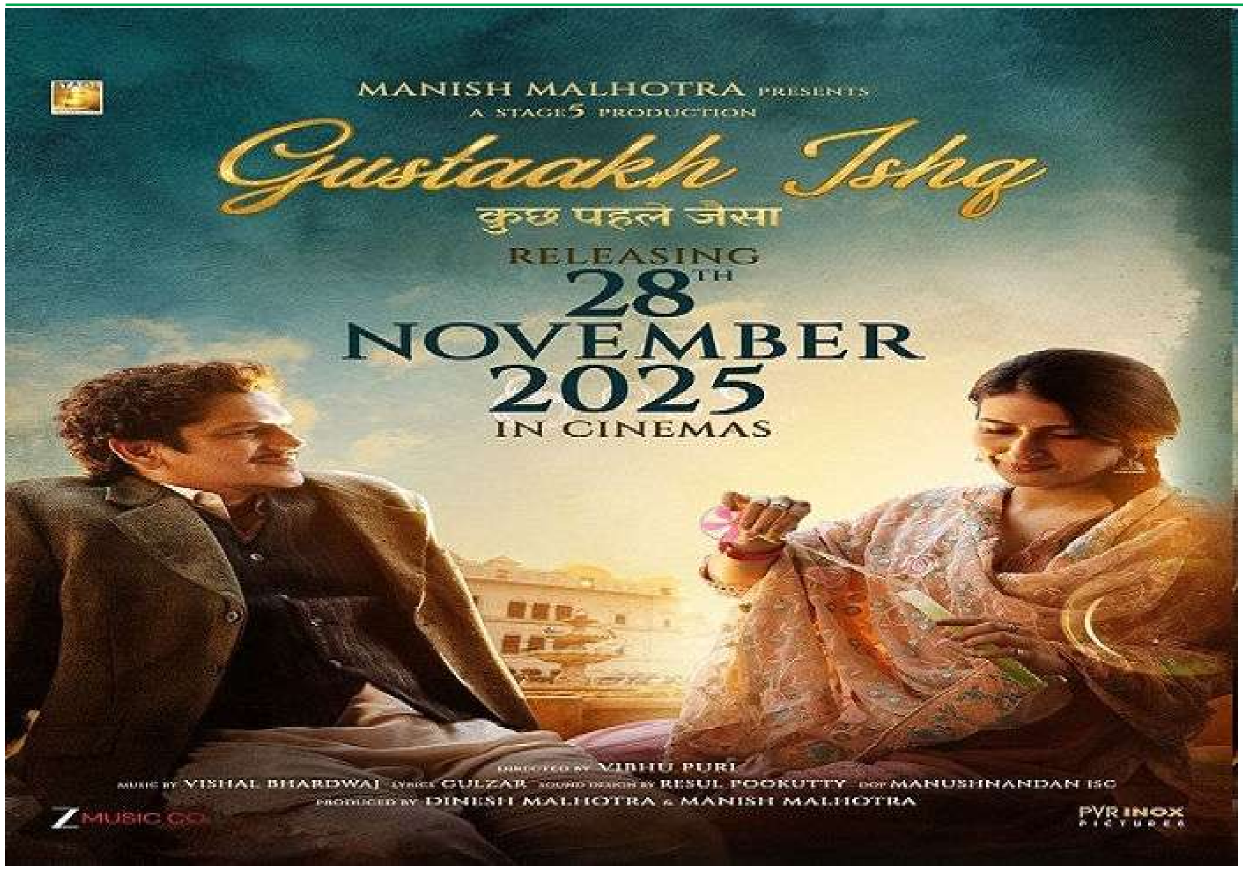

लगातार आती शोरगुल भरी, भव्य फिल्मों की दौड़ में, ऐसी फिल्म मिलना दुर्लभ है जो पुरानी मोहब्बत की जादुई खुशबू समेटे हुए हो और समय को पीछे ले जाए। लेकिन इस भीड़भाड़ भरे दौर में भी समय बदल रहा है। मनीष मल्होत्रा पहली बार बतौर निर्माता गुस्ताख इश्कः – कुछ पहले जैसा लेकर आए हैं– एक रोमांटिक, काव्यात्मक ड्रामा जो ऊँचे सुरों वाली कहानियों की भीड़ से बिल्कुल अलग खड़ा है। बॉलीवुड की हालिया फिल्मों ने दर्शकों को कुछ नया और सुकूनभरा देखने की चाह में छोड़ दिया है, और गुस्ताख इश्क के हाल ही में जारी किए गए ट्रेलर ने एक पूरी तरह ताजगी भरी प्रेम कहानी का वादा किया है। यह पुरानी मोहब्बत को उसी रूप में पेश करता है–सुकूनभरी, पुरानी यादों से भरी, स्थिर, और सबसे बढ़कर बिना किसी जल्दबाजी के। फिल्मकारों ने पुराने दौर की शायरियों और इश्कः को वापस लाने की कोशिश तो की, लेकिन दर्शकों से वैसी कनेक्टिविटी नहीं मिल पाई। लेकिन विजय वर्मा और फातिमा सना शेख की गुस्ताख इश्कः ने पुरानी दिल्ली की गलियों और पंजाब की ढलती कोठियों की यादें फिर से ताजा कर दीं जहाँ इमारतें यादें समेटे होती हैं, जहाँ चुराई हुई नजरें संवादों से लंबी चलती हैं, जहाँ सुकूनभरा संगीत सीधा दिल में उतर जाता है, और जहाँ शायरियाँ फिल्म की धड़कन बनाए रखती हैं। फिल्म का जादू और बढ़ाता है इसका सुकूनभरा संगीत। मनीष मल्होत्रा ने संगीत जगत के दिग्गजों को एक साथ लाया है फिल्म में विशाल भारद्वाज का`वनसनिस संगीत, गुलजार के बोल, और अरिजीत सिंह, शिल्पा राव, पापोन, जावेद अली, जजीम शर्मा और हिमानी कपूर जैसे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता व मशहूर कलाकारों की सुरीली आवाजें शामिल हैं। ऐसे समय में जब पॉप और तेज बीट्स का बोलबाला है, गुस्ताख इश्कः का एल्बम सुकून देता है और यह पहले से ही दर्शकों का पसंदीदा बन चुका है। चूँकि गुस्ताख इश्क में एक ब्लॉकबस्टर के सभी तत्व मौजूद हैं, दर्शक इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मनीष मल्होत्रा स्टेज 5 प्रोडक्शन के तहत बतौर निर्माता एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं एक ऐसी फिल्म के साथ जो क्लासिक कहानी कहने की शैली को आधुनिक भारतीय सिनेमा के भविष्य के साथ खूबसूरती से जोड़ती है। अपने भाई दिनेश मल्होत्रा के साथ मिलकर निर्मित यह फिल्म, विभु पुरी द्वारा निर्देशित है, और यह पुरानी दिल्ली की गलियों और पंजाब की ढलती कोठियों की पृष्ठभूमि में पनपी एक भावपूर्ण प्रेम कहानी है जुनून और अनकही चाहत से भरी हुई। फिल्म 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने बेटे का नाम किया रिवील, दिल छू लेने वाली तस्वीरें भी शेयर की

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने हाल ही में अपने नवजात बेटे के साथ पहली फैमिली तस्वीरें साझा करके फैंस को खुश कर दिया है। इसके साथ ही, इस कपल ने अपने बेटे के नाम का खुलासा भी बेहद अनोखे और आध्यात्मिक तरीके से किया है।

बेटे के नामकरण का अनूठा तरीका

कपल ने अपने बेटे का नाम 'नीर' रखा है। इस नाम को साझा करते हुए, उन्होंने एक खूबसूरत संस्कृत वाक्य लिखा, जलस्य रूपं, प्रेमस्य स्वरूपम् – तत्र एव नीर। इसके साथ ही, परिणीति और राघव ने 'नीर' नाम का अर्थ भी बताया। उन्होंने लिखा, हमने उसका नाम 'नीर' रखा है, जिसका मतलब है शुद्ध, दिव्य और असीम।

प्यार भरे पलों की झलक

शेयर की गई तस्वीरों में कपल अपने बच्चे के प्रति अपना प्यार व्यक्त करते दिख रहा है। पहली तस्वीर में, परिणीति और राघव दोनों अपने बेटे के छोटे–छोटे पैरों को प्यार से चूमते हुए दिखाई दिए। दूसरी तस्वीर में, परिणीति ने अपने बच्चे के पैर पकड़े हुए हैं, जबकि राघव चड्ढा अपनी पत्नी का हाथ थामे हुए हैं, जो उनके मजबूत रिश्ते और नए जीवन का प्रतीक है।

महंगे स्किनकेयर को कहें अलविदा, घर पर बनाएं बेहद सस्ते और असरदार शीट मास्क, पाएं बेदाग त्वचा

आज के समय में शीट मास्क काफी ज्यादा पॉपुलर हो रहे हैं। शीट मास्क हमारी स्किन को अंदरूनी पोषण देते हैं, जिससे हमारी स्किन ग्लो करने लगती है। लेकिन मार्केट में मिलने वाले शीट मास्क महंगे होने के साथ केमिकल्स और प्रिजर्वेटिव्स का भी इस्तेमाल किया जाता है। जिससे स्किन को फायदा कम और नुकसान अधिक होता है। यही कारण है कि घर पर नेचुरल तरीके से शीट मास्क बनाना अधिक बेहतर और सुरक्षित माना जाता है। ऐसे में अगर आप भी घर पर शीट मास्क बना रही हैं, तो आप आसानी से अपनी स्किन के हिसाब से इसको कस्टमाइज कर सकती हैं।

बता दें कि घर पर आप आसानी से शीट मास्क बना सकती हैं। जब भी आप घर पर शीट मास्क बनाएं तो आंख बंद करके किसी रेसिपी को फॉलो न करें। बल्कि पहले अपनी स्किन टाइप को समझें और फिर उसी के हिसाब से शीट मास्क बनाएं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अपनी स्किन टाइप के आधार पर शीट मास्क बनाने के तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं।

ड्राई स्किन के लिए शीट मास्क

अगर आपकी त्वचा ड्राई है, तो आपको ऐसे शीट मास्क की जरूरत है, जो आपकी स्किन को गहराई से नमी दे सके। वहीं स्किन में रूखेपन और फ्लेकीनेस की समस्या को कम कर सके। ऐसे में आप ऐलोवेरा जेल, शहद और बादाम तेल की सहायता से शीट मास्क बनाकर तैयार कर सकती हैं।

सामग्री

एलोवेरा जेल– 2 बड़े चम्मच

शहद– 1 छोटा चम्मच

कुछ बूंदें बादाम का तेल

आवश्यकतानुसार गुलाब जल

रेडीमेड कंप्रेस्ड शीट मास्क

ऐसे इस्तेमाल करें

एक बाउल में सभी सामग्री डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

अब मार्केट में मिलने वाला कंप्रेस्ड शीट मास्क को इस मिश्रण में डिप करके छोड़ दें।

यह तैयार सीरम को अब्जॉर्ब कर लेगा।

अब अपनी स्किन को साफ करें और तैयार शीट मास्क लगाकर 15 मिनट के लिए लगाएं।

ऑयली स्किन के लिए शीट मास्क

ऑयली स्किन के लिए एलोवेरा जेल, टी ट्री ऑयल और ग्रीन टी का इस्तेमाल काफी अच्छा माना जाता है। यह स्किन पोर्स को टाइट करने के साथ ही स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल को भी कंट्रोल करने में मदद करता है।

सामग्री

तैयार की हुई ठंडी ग्रीन टी– 2 बड़े चम्मच

एलोवेरा जेल– 1 छोटा चम्मच

टी ट्री ऑयल– 2–3 बूंदें

ऐसे इस्तेमाल करें

एक बाउल में सभी सामग्री डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

अब मार्केट में मिलने वाला कंप्रेस्ड शीट मास्क को इस मिश्रण में डिप करके छोड़ दें।

जब शीट मास्क मिक्स को अब्जॉर्व कर लेगा।

फिर अपनी त्वचा को साफ करके इस शीट मास्क को फेस पर 15 मिनट लगाकर हटा दें।

इस शीट मास्क को लगाने से रेडनेस की समस्या कम हो जाती है।

सेंसेटिव स्किन के लिए शीट मास्क

अगर आपकी त्वचा सेंसिटिव है, तो आपको अपनी स्किन का ख्याल रखने की अधिक जरूरत है। वहीं यह होममेड शीट मास्क त्वचा में होने वाली जलन, रेडनेस और खुजली को शांत करता है। वहीं खीरा और गुलाबजल स्किन को ठंडक देता है और ऐलोवेरा जेल त्वचा को हील करने में सहायता करता है।

सामग्री

खीरे का रस– 2 बड़े चम्मच

गुलाब जल– 2 बड़े चम्मच

एलोवेरा जेल– 1 छोटा चम्मच

कैमोमाइल टी– कुछ बूंदें

ऐसे इस्तेमाल करें

एक बाउल में सभी सामग्री डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

अब मार्केट में मिलने वाला कंप्रेस्ड शीट मास्क को इस मिश्रण में डिप करके छोड़ दें।

जब शीट मास्क मिक्स को अब्जॉर्व कर लेगा।

फिर अपनी त्वचा को साफ करके इस शीट मास्क को फेस पर 15 मिनट लगाकर हटा दें।

सर्दी से जरा बच कर! इस मौसम में ज्यादा आता है हार्ट अटैक, जानिए इसके कारण और बचाव

सर्दियों में तापमान गिरने पर हार्ट अटैक और ब्लड क्लॉट्स (रक्त के थक्के) का खतरा काफी बढ़ जाता है। ठंड का असर हमारे शरीर की नसों, हार्ट और ब्लड सर्कुलेशन पर पड़ता है, जिससे दिल की बीमारियां बढ़ सकती हैं। हालांकि कुछ सरल सावधानियों से आप अपना दिल पूरी तरह सुरक्षित रख सकते हैं। चलिए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

ठंड में हार्ट अटैक और ब्लड क्लॉट्स क्यों बढ़ते हैं?

कम तापमान में शरीर की ठसववक टमेमसे (नसें) संकुचित (सिकुड़) हो जाती हैं। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। ठंड में खून थोड़ा गाढ़ा हो सकता है। इससे ब्लड क्लॉट बनने की संभावना बढ़ जाती है। इस मौसम में शरीर को गर्म रखने के लिए दिल को सामान्य से ज्यादा पंप करना पड़ता है। दिल की कमजोरी या पहले से हार्ट प्रॉब्लम वाले लोगों में ज्यादस खतरा बढ़ जाता है। ज्यादातर लोग ठंड में कम चल–फिरते हैं। इससे मोटापा, कोलेस्ट्रॉल और शुगर बढ़ सकती है जो हार्ट के जोखिम को बढ़ाते हैं।

सर्दियों में हार्ट को सुरक्षित रखने के आसान उपाय

शरीर को गर्म रखेंरू पूरे शरीर को कवर करें, मोजे, दस्ताने और टोपी जरूर पहनें, सीने को ठंडी हवा से बचाकर रखें

हल्की एक्सरसाइज जारी रखें: रोज 20–30 मिनट वॉक, हल्का योग सीढ़ियां चढ़ना,उतरना जारी रखें, लेकिन ठंड में अचानक ज्यादा मेहनत वाला वर्कआउट न करें।

हाइड्रेटेड रहें: कई लोग ठंड में पानी कम पीते हैं। पानी कम होने से खून गाढ़ा होने लगता है और क्लॉट का खतरा बढ़ता है।

संतुलित डाइट खाएं: ओमेगा–3 युक्त फूड (अखरोट, अलसी, मछली) फाइबर वाली चीजें अपनी डाइट में शामिल करें। कम नमक और कम तला हुआ भोजन खाएं। विटामिन क और ठ12 की कमी से भी समस्याएँ बढ़ती हैं, ध्यान रखें।

अचानक तापमान से बचें: गर्म कमरे से निकलकर तुरंत बहुत ठंड में न जाएं। तापमान का अचानक बदलाव हार्ट पर झटका डाल सकता है।

स्मोकिंग और अल्कोहल से दूरी: गरेट ठसववक टमेमसे को और ज्यादा संकुचित कर देती है। इससे क्लॉट और हार्ट अटैक दोनों का खतरा दोगुना हो जाता है।

शुगर, बीपी और कोलेस्ट्रॉल चेक करते रहेंरू जो भी लोग पहले से हार्ट के मरीज हैं, या डायबिटीज, हाई बीपी, हाई कोलेस्ट्रॉल, मोटापा से ग्रसित हैं वह इन पर अधिक ध्यान दें।

इन लक्षणों को हल्के में न लेंरू अगर सीने में भारीपन, जबड़ेध्कंधे में दर्द, पसीना, बेचौनी महसूस हो रही है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

ये लोग रहें ज्यादा सावधान

50 से ऊपर उम्र के लोग, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल के पीड़ित , जिन्हें दिल की कोई पुरानी समस्या है ओर धूम्रपान करने वालों के लिए सर्दी का मौसम ज्यादा जोखिम भरा होता है। ऐसे में गर्म रहें, सक्रिय रहें, और जरूरी जांच करवाते रहें।

अगर ये बीमारी है तो बैंगन खाने की गलती ना करना, शरीर का हो जाएगा बुरा हाल

बैंगन स्वाद में हल्का और सेहत के लिए लाभदायक माना जाता है, लेकिन यह हर किसी के लिए सुरक्षित नहीं है। कई लोगों में बैंगन का सेवन नुकसान भी पहुंचा सकता है–खासकर जब इसे गलत तरीके से या ज्यादा मात्रा में खाया जाए। आइए जानें किन लोगों को बैंगन से दूरी बना लेनी चाहिए और यह कैसे नुकसान पहुंचा सकता है।

बैंगन खाने से हो सकती है एलर्जी

कुछ लोगों में बैंगन खाने के बाद एलर्जी की समस्या तेजी से उभर सकती है क्योंकि इसमें हिस्टामाइन नामक प्राकृतिक तत्व पाया जाता है। यह तत्व उन लोगों में तीव्र प्रतिक्रिया पैदा कर सकता है, जिनकी स्किन पहले से संवेदनशील है या जिन्हें किसी खास भोजन से एलर्जी की प्रवृत्ति होती है। बैंगन का सेवन करने पर ऐसे लोगों को त्वचा पर खुजली, लाल चकत्ते, चेहरे या होंठों पर सूजन, गले में जलन, या फिर अचानक एलर्जिक रैश जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। कई बार यह प्रतिक्रिया तुरंत होती है और कभीदृकभी धीरे–धीरे बढ़ती है, जिससे लोग पहचान नहीं पाते कि समस्या बैंगन की वजह से हुई है। इसलिए जिन लोगों को पहले से फूड एलर्जी, एटॉपिक डर्माटाइटिस, या किसी भी तरह की स्किन प्रॉब्लम रहती है, उन्हें बैंगन का सेवन बहुत सावधानी से करना चाहिए। सबसे अच्छा तरीका है। पहली बार खाते समय कम मात्रा में खाएं और कोई लक्षण दिखे तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

एलर्जी होने के लक्षण

त्वचा पर खुजली या लाल चकत्ते

गले में जलन या खराश

चेहरे, होंठ या आंखों के पास सूजन

एलर्जिक रैश या हाइव्स

अगर आपको पहले से एलर्जी, स्किन प्रॉब्लम या किसी खाने से संवेदनशीलता रहती है, तो बैंगन को सीमित मात्रा में खाएं या डॉक्टर की सलाह के बाद ही शामिल करें।

कमजोर पाचन वाले लोग सावधान

बैंगन में फाइबर मौजूद होता है, लेकिन इसकी अधिक मात्रा पाचन को बिगाड़ सकती है और पेट से जुड़ी दिक्कतें बढ़ा सकती है।

इससे होने वाली समस्याएंरू गैस, पेट फूलना, अपच और पेट में दर्द होना।

जिन लोगों का पाचन कमजोर है या जिन्हें अक्सर गैस की समस्या रहती है, उन्हें बैंगन सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए। हल्का पकाकर खाएं और परेशानी बढ़े तो डॉक्टर से सलाह लें।

किडनी स्टोन वाले मरीज बैंगन न खाएं

किडनी स्टोन की समस्या वाले लोगों को बैंगन खाने से परहेज करना चाहिए, क्योंकि इसमें प्राकृतिक रूप से ऑक्सलेट पाया जाता है। ऑक्सलेट शरीर में जमा होकर गुर्दे की पथरी को बढ़ा सकता है या नई पथरी बनने का जोखिम बढ़ा देता है। जिन मरीजों को पहले से किडनी स्टोन है, बार–बार पथरी बनती है या डॉक्टर ने कम ऑक्सलेट वाली डाइट लेने की सलाह दी है, उन्हें बैंगन का सेवन पूरी तरह टाल देना चाहिए।

किन लोगों को बैंगन खाना चाहिए?

बैंगन एक हेल्दी सब्जी है और जिन लोगों को कोई एलर्जी, किडनी स्टोन, या पाचन की खास समस्या नहीं है, वे इसे आराम से खा सकते हैं। जिनका पाचन सामान्य है, जिन्हें फाइबर की आवश्यकता है, या जो वजन नियंत्रित रखना चाहते हैं, उनके लिए बैंगन फायदेमंद हो सकता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल होते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी और दिल की सेहत के लिए अच्छे माने जाते हैं।

प्रेगनेंसी में बैंगन क्यों मना किया जाता है?

बैंगन में फाइटोहार्मोन होते हैं, जो गर्भाशय को उत्तेजित कर सकते हैं। इस वजह से प्रेगनेंसी में बैंगन खाने से जोखिम बढ़ सकता है। इससे गर्भाशय में संकुचन, पेट दर्द, ब्लीडिंग, शुरुआती महीनों में गर्भपात का खतरा इसलिए डॉक्टर अक्सर गर्भवती महिलाओं को बैंगन न खाने की सलाह देते हैं।

किन्हें बैंगन नहीं खाना चाहिए?

एलर्जी वाले लोग इसका सेवन ना करें।

कमजोर पाचन और गैस की समस्या वाले लोग

किडनी स्टोन वाले मरीज।

गर्भवती महिलाएं को भी बैंगन खाने से परहेज ही करना चाहिए। हर किसी के लिए बैंगन सुरक्षित नहीं है। निम्न लोग इसका सेवन कम करें या पूरी तरह से टाल दें। स्वास्थ्य संबंधी स्थितियों में बैंगन खाने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना बेहतर है।

वेडिंग सीजन में छा जाने के लिए 5 बेस्ट ब्राइडल हेयरस्टाइल, जो आपके लुक को देंगे शाही अंदाज

वेडिंग सीजन शुरू होते ही हर कोई अपने सपनों की परफेक्ट वेडिंग प्लानिंग में जुट जाते है। आउटफिट, ज्वेलरी और मेकअप के साथ–साथ दुल्हन को अपने पूरे लुक को निखारने के लिए पहले से काफी तैयारी करनी पड़ती है। खासतौर पर भारतीय दुल्हनों को तो शादी के दिन के अलावा कई प्री–वेडिंग और पोस्ट–वेडिंग रस्मों के लिए भी अलग–अलग लुक तय करने होते हैं। ऐसे में भागदौड़ और तैयारियों के बीच कई बार दुल्हनें अपनी शादी के लिए सही ब्राइडल हेयरस्टाइल चुनना भूल जाती हैं। जबकि एक बढ़िया हेयरस्टाइल न सिर्फ़ लुक को पूरा करता है, बल्कि आउटफिट की खूबसूरती भी बढ़ा देता है। इस वेडिंग सीजन के सबसे ट्रेंडी और स्टाइलिश ब्राइडल हेयरस्टाइल्स ट्राई कर सकती हैं।

शादियों के लिए टॉप 5 ब्राइडल के हेयरस्टाइल

गजरा ट्रेल

जो दुल्हन अपनी शादी के लिए एक भव्य, डिवाइन और अद्भुत रूप चाहते हैं, उनके लिए गजरा ट्रेल हेयरस्टाइल ट्राई करना चाहिए। एक लंबी,मोटी चोटी या फिर पीठ पर लहराते ताजे गजरों से सजी जूड़ा के साथ, आप शाही अंदाज में नजंर आएंगी।

स्लिक बैक आधा ऊपर आधा नीचे

अपने खास दिन के लिए एक साफ–सुथरी, आकर्षक हेयरस्टाइल की तलाश में दुल्हनों के लिए, स्लिक बैक हाफ–अप हाफ–डाउन एकदम सही ऑप्शन होगा। इस हेयरस्टाइल में आपके बाल पीछे की ओर और आपके चेहरे से दूर हो जाएंगे। आप अपने बाकी बालों को बेफिक्र, बीची वेव्स में कर्ल भी करवा सकती हैं।

लेस–अप ब्रेड्स

शादी के मौसम के लिए सबसे आसान हेयरस्टाइल में से एक है लेस–अप ब्रेड्स। आप अपनी बोरिंग ब्रेड में चटख रंगों वाली लेस लगाकर एक मजेदार टच दे सकती हैं। रिबन से लेकर मोतियों की लड़ियों, चेन और असली फूलों तक, आप अपनी ब्रेड्स को इस तरह से आकर्षक बना सकती हैं।

बबल ब्रेड हेयरस्टाइल

आपकी हल्दी से लेकर मेहंदी की रस्म के लिए, बबल ब्रेड एकदम बेस्ट हेयरस्टाइल है। यह हेयरस्टाइल आप पर काभी खूबसूरत लगेगा और आप बिना किसी चिंता के मजे कर पाएंगी। यह हेयरस्टाइल काफी ट्रेंडी है।

संक्षिप्त

भारत-अफगानिस्तान के बीच हवाई मालवाहक सेवाएं 'बहुत जल्द' शुरू होंगी, विदेश मंत्रालय के अधिकारी का दावा

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच हवाई मालवाहक सेवाएं बहुत जल्द शुरू होंगी। भारतीय विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने शुक्रवार को अफगानिस्तान के वाणिज्य और उद्योग मंत्री अल-हज नूरुद्दीन अजीजी की भारत यात्रा के दौरान यह एलान किया। विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव आनंद प्रकाश ने कहा, ष्मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि काबुल-दिल्ली सेक्टर और काबुल-अमृतसर मार्गों पर हवाई माल ढुलाई गलियारा सक्रिय हो गया है और इन सेक्टरों पर मालवाहक उड़ानें बहुत जल्द शुरू होंगी। उन्होंने कहा, इससे उनकी कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा हमारे व्यापार और वाणिज्यिक संबंध और मजबूत होंगे। अधिकारी ने आगे बताया कि गुरुवार को दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार सहयोग की निगरानी और समर्थन के लिए एक-दूसरे के दूतावास में एक व्यापार अताशे की नियुक्ति करने पर सहमत हुए। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि भारत और अफगानिस्तान के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए व्यापार, वाणिज्य और निवेश पर संयुक्त कार्य समूह को पुनः सक्रिय किया जाएगा। विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव ने कहा, षद्विपक्षीय व्यापार लगभग 1 अरब डॉलर का है। हालांकि, इसमें और वृद्धि की पर्याप्त गुंजाइश बनी हुई है। इस संदर्भ में, हमने व्यापार, वाणिज्य और निवेश पर संयुक्त कार्य समूह को पुनः सक्रिय करने का निर्णय लिया है। इस विशेष संयुक्त कार्य समूह की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए भारतीय और अफ़ग़ान व्यवसायों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक होगी। वह यहां उद्योग संगठन पीएचडीसीसीआई की ओर से अफगानिस्तान के वाणिज्य व उद्योग मंत्री अजीजी के नेतृत्व में वहां के प्रतिनिधिमंडल के साथ आयोजित एक परिचर्चा सत्र में बोल रहे थे।

रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की बढ़त के साथ 88.63 प्रति डॉलर पर

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी पूंजी निवेश के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की मामूली बढ़त के साथ 88.63 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.67 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में कुछ बढ़त के साथ 88.63 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को 20 पैसे की गिरावट के साथ 88.68 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.09 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 172.32 अंक टूटकर 85,460.36 अंक पर और निफ्टी 59.35 अंक की गिरावट के साथ 26,132.80 अंक पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62.56 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 283.65 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

ट्रंप ने ब्राजील से आने वाली कॉफी, फलों पर शुल्क में दी ढील

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने देशवासियों के लिए उपभोक्ता लागत कम करने के प्रयास के तहत ब्राजील के उत्पादों पर लगाए गए शुल्क में और ढील दी है। इस फैसले का असर कॉफी, फलों और 'बीफ' (गोवंश के पशुओं का मांस) सहित कई अन्य वस्तुओं पर पड़ेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने पिछले सप्ताह कहा था कि ट्रंप अप्रैल में घोषित कुछ शुल्क को वापस ले रहे हैं। ब्राजील का हालांकि कहना है कि इससे उन शुल्क पर कोई असर नहीं पड़ा है जिन्हें ट्रंप ने जुलाई में अपने राजनीतिक सहयोगी, पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के खिलाफ की गई कानूनी कार्रवाई के जवाब में दंडस्वरूप लगाया था। ट्रंप और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा व्यापार को लेकर बातचीत कर रहे हैं जिससे शुल्कों में और कमी आने की संभावना है।

वित्त वर्ष 2028 में बैंकों की कमाई में आ सकता है बड़ा उछाल, IIFL कैपिटल की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। भारत का बैंकिंग सेक्टर सुस्ती के दौर से निकलकर एक बड़े सुधार की तरफ बढ़ रहा है। आईआईएफएल कैपिटल की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में लगभग स्थिर कमाई के बाद वित्त वर्ष 2028 में बैंकों की प्रॉफिट ग्रोथ तेज रफ्तार पकड़ सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि निजी बैंकों में लोन ग्रोथ का माहौल सुधर रहा है, नेट इंटरेस्ट मार्जिन (छप्ड) में चक्रीय बहाली दिखाई दे रही है और अनसिक्योर्ड रिटेल लोन पर दबाव भी कम हो रहा है। ये सभी कारक कमाई के लिए मजबूत आधार तैयार कर रहे हैं।

कितनी होगी निजी और सार्वजनिक बैंकों की कमाई?

IIFL का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2028 में निजी बैंकों की कमाई 21ः सीएजीआर की रफ्तार से बढ़ सकती है। वहीं, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से 14ः सीएजीआर और पूरे बैंकिंग उद्योग से औसतन 18ः सीएजीआर की वृद्धि का अनुमान है। यह वृद्धि वित्त वर्ष 2026 के कमजोर प्रदर्शन के बाद सेक्टर में वापसी का मजबूत संकेत माना जा रहा है।

क्रेडिट ग्रोथ में दिख रहा सुधार

रिपोर्ट बताती है कि क्रेडिट ग्रोथ अब निचले स्तर से उभर रही है और धीरे-धीरे स्थिरता पकड़ रही है। हालांकि रफ्तार तेज नहीं होगी, लेकिन खपत मांग में सुधार, हालिया राजकोषीय और मौद्रिक नरमी से लोन की मांग बढ़ने की संभावना है। रिजर्व बैंक द्वारा सिस्टम में स्थायी तरलता डालने और सीआरआर कटौती के बाद बैंकों के नेट इंटरेस्ट मार्जिन में 7 से 9 आधार अंक तक सुधार की उम्मीद है।

पर्थ में पहले दिन का खेल समाप्त, ऑस्ट्रेलिया 123/9, इंग्लैंड से अब 49 रन पीछे, स्टोक्स को 5 विकेट

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज के पहले टेस्ट की शुरुआत हो चुकी है। पहला मुकाबला पर्थ में जारी है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया।ऑस्ट्रेलिया ने अपनी प्लेइंग-11 में नाथन लियोन के रूप में एक स्पिनर रखा है। वहीं, इंग्लैंड ने कोई स्पिनर नहीं रखा है और टीम चार तेज गेंदबाज के साथ उतरी है। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी की और पूरी टीम 33 ओवर के अंदर 172 रन पर सिमट गई। मिचेल स्टार्क ने कहर बरपाते हुए सात विकेट झटके, जबकि डेब्यूटेंट डॉगेट को दो विकेट मिले। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में नौ विकेट पर 123 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम फिलहाल इंग्लैंड से 49 रन पीछे है। फिलहाल नाथन लियोन और ब्रेंडन डॉगेट क्रीज पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी खराब रही। ऑस्ट्रेलिया ने वेदराल्ड के साथ ओपनिंग के लिए उस्मान ख्वाजा की जगह मार्नस लाबुशेन को भेजा था। डेब्यू कर रहे वेदराल्ड खाता खोले बिना आउट हुए। उन्हें जोफ्रा आर्चर ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद आर्चर ने मार्नस लाबुशेन को बोल्ड किया। गेंद लाबुशेन के हाथ पर लगकर विकेट पर जा लगी। वह नौ रन बना सके। इसके बाद ब्राइडन कार्स ने स्टीव स्मिथ और उस्मान ख्वाजा को आउट किया। स्मिथ 17 रन और ख्वाजा दो रन बना सके। इसके बाद कप्तान बेन स्टोक्स ने ट्रेविस हेड को ब्राइडन कार्स के हाथों कैच कराया। हेड 21 रन बना सके। इसके बाद स्टोक्स ने कैमरून ग्रीन को विकेटकीपर जेमी के हाथों कैच कराया। वह 24 रन बना सके। मिचेल स्टार्क भी 12 रन बनाकर स्टोक्स का शिकार बने। स्टोक्स को चौथी सफलता एलेक्स कैरी के रूप में मिली। कैरी 26 रन बनाकर आउट हुए। स्टोक्स ने पांचवीं सफलता स्कॉट बोलैंड के रूप में हासिल की।

इंग्लैंड की पहली पारी

रूट खाता भी नहीं खोल सके

इंग्लैंड का पहले बल्लेबाजी करने का फैसला हालांकि, गलत साबित हुआ है और टीम ने 40 रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए हैं। इंग्लैंड को पहले ही ओवर में झटका लगा जब स्टार्क ने पहले ही ओवर में जैक क्राउली को आउट किया। क्राउली खाता नहीं खोल सके। इसके बाद स्टार्क ने बेन डकेट और जो रूट को भी पवेलियन भेजा। डकेट 20 गेंद में 21 रन बनाकर एल्बीडब्ल्यू आउट हुए। वहीं, जो रूट खाता खोले बिना स्टार्क की गेंद पर स्लिप में लाबुशेन को कैच थमा बैठे।

ब्रूक का अर्धशतक, पोप अर्धशतक से चूके

इसके बाद ब्रूक ने ओली पोप के साथ चौथे विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को कैमरून ग्रीन ने तोड़ा। उन्होंने पोप को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। पोप अर्धशतक से चूक गए और 46 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान बेन स्टोक्स को भी स्टार्क ने पवेलियन भेजा। स्टार्क ने स्टोक्स को क्लीन बोल्ड किया। वह छह रन बना सके। इसके बाद डेब्यूटेंट डॉगेट ने हैरी ब्रूक को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराया। ब्रूक 52 रन बना सके। इसके तुरंत बाद ने स्टार्क ने गस एटकिंसन को आउट किया। वह एक रन बना सके। स्टार्क की यह इस पारी में पांचवीं सफलता रही। डॉगेट ने फिर ब्राइडन कार्स को लाबुशेन के हाथों कैच कराया। वह छह रन बना सके। इसके बाद आखिरी के दो बल्लेबाजों को स्टार्क ने चलता किया। जेमी स्मिथ 22 गेंद में 33 रन और मार्क वुड खाता खोले बिना आउट हुए। इस तरह स्टार्क की दमदार गेंदबाजी के आगे इंग्लैंड की टीम बेबस नजर आई। स्टार्क-डॉगेट के अलावा एक विकेट कैमरून ग्रीन को मिला। इंग्लैंड की टीम साढ़े चार घंटे भी बैटिंग नहीं कर सकी।

ऑस्ट्रेलिया के लिए दो खिलाड़ियों का डेब्यू

ऑस्ट्रेलिया की टीम में दो खिलाड़ी डेब्यू कर रहे हैं। तेज गेंदबाज बेन डॉगेट और बल्लेबाज जेक वेदराल्ड को खेलने का मौका मिला है। पैट कमिंस और जोश हेजलवुड की गैरमौजूदगी में ये दोनों खेलने उतरे हैं। वेदराल्ड ख्वाजा के साथ ओपनिंग करेंगे और वह डेविड वॉर्नर के संन्यास के बाद ख्वाजा के छठे ओपनिंग साथी हैं।

ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग-11ः जेक वेदराल्ड (डेब्यू), उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रेविस हेड, कैमरून ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट (डेब्यू)।

इंग्लैंड प्लेइंग-11ः बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, हैरी ब्रूक, ब्राइडन कार्स, जैक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), मार्क वुड।

दूसरे टेस्ट से भी बाहर हुए कप्तान शुभमन, इलाज के लिए मुंबई जाएंगे, गुवाहाटी में पंत संभालेंगे कमान

मुंबई। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेली जा रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज से एक बड़ा अपडेट सामने आया है। कप्तान शुभमन गिल दूसरे टेस्ट से भी बाहर हो गए हैं। उन्हें पहले टेस्ट के दौरान बल्लेबाजी करते समय गर्दन में चोट लगी थी। इसके बाद वह पहली पारी में ठीक से बल्लेबाजी नहीं कर पाए थे और रिटायर्ड हर्ट हुए थे और फिर दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे थे। उन्हें तुरंत चेक अप के लिए ले जाया गया था। अब वह दूसरे टेस्ट से भी बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने जानकारी देते हुए बताया कि, श्टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल, जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान गर्दन की चोट से जूझ रहे थे, वह गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं।

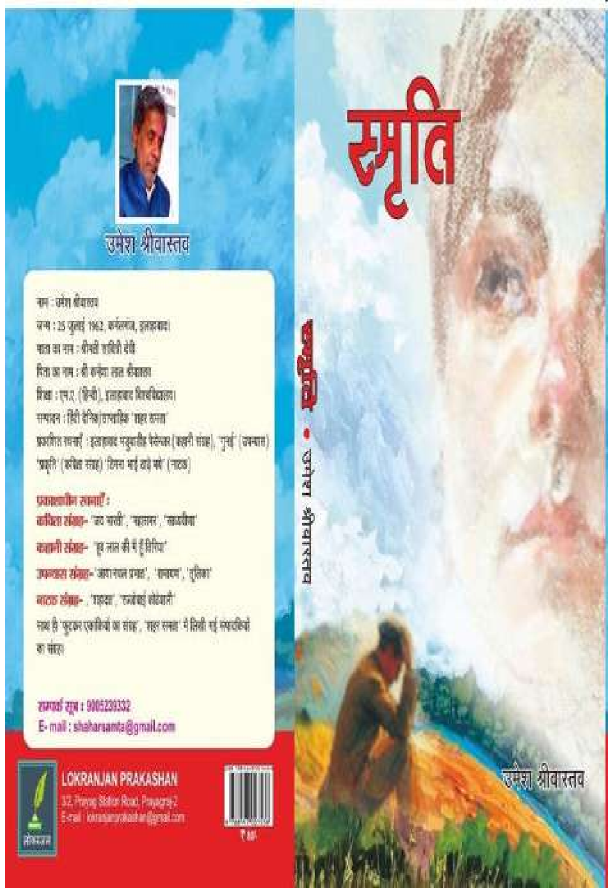

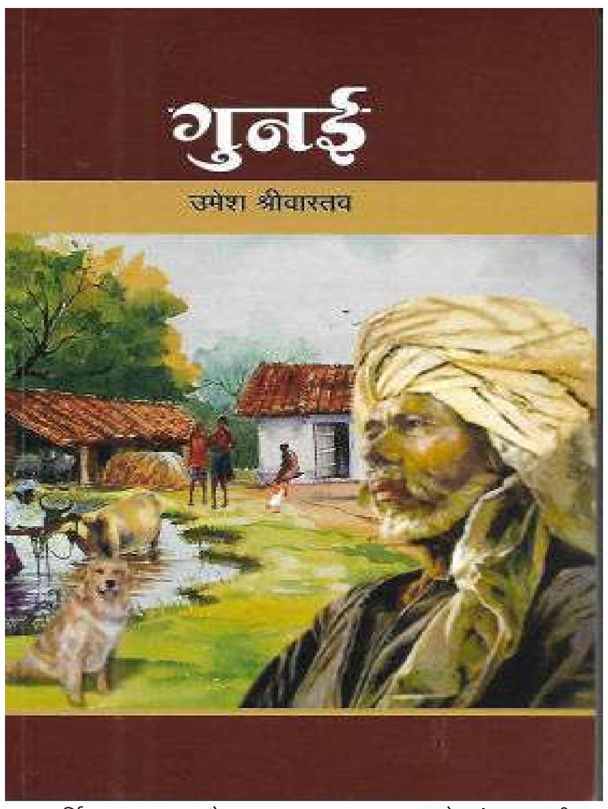

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

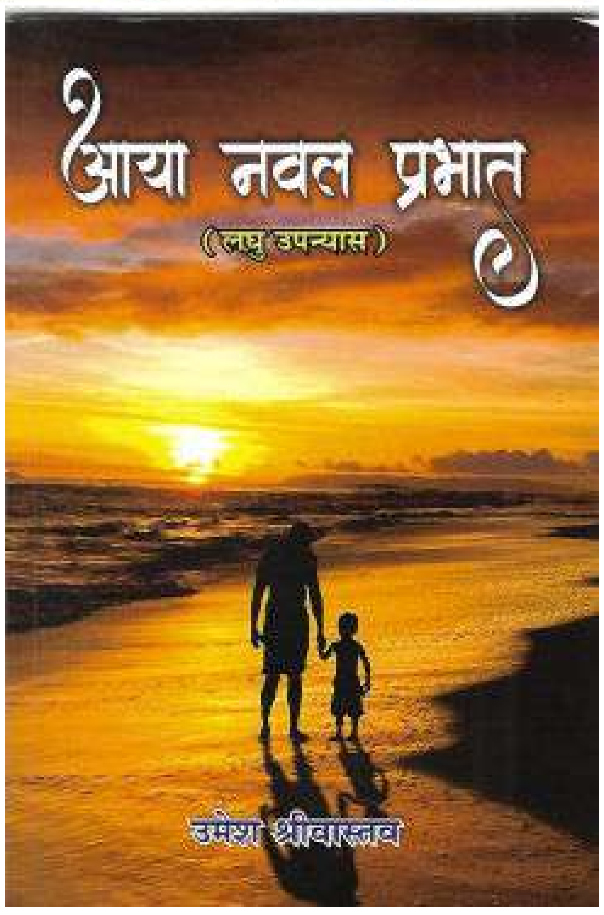

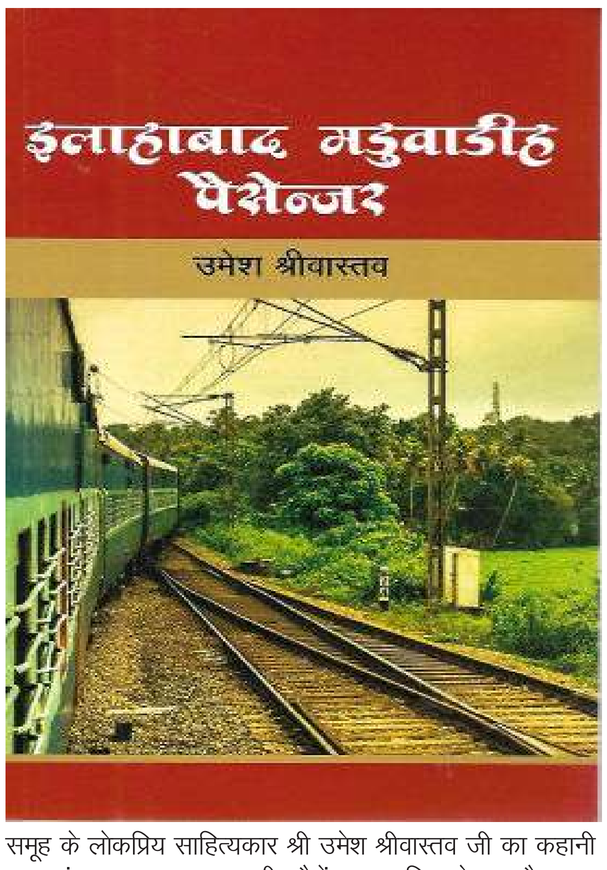

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

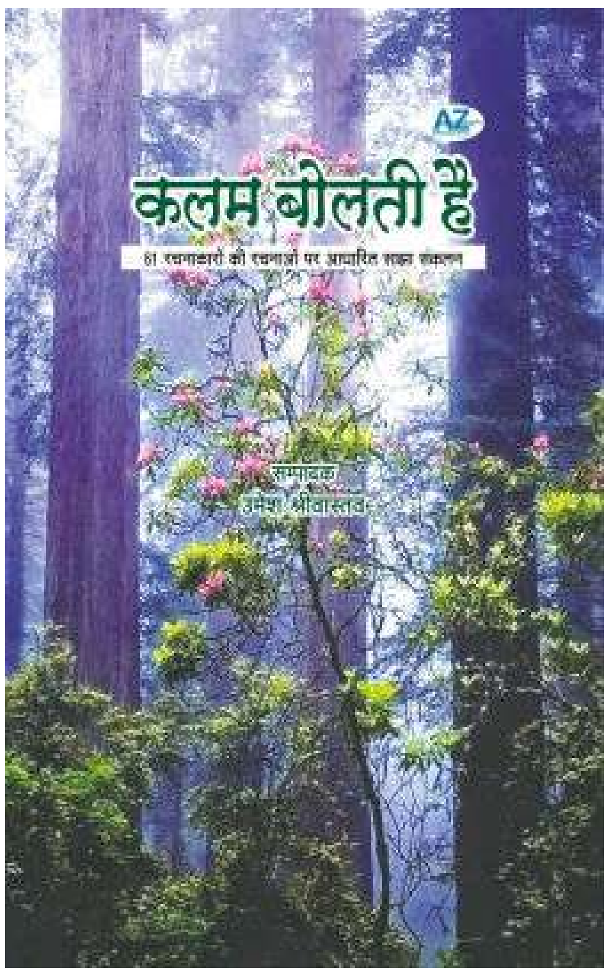

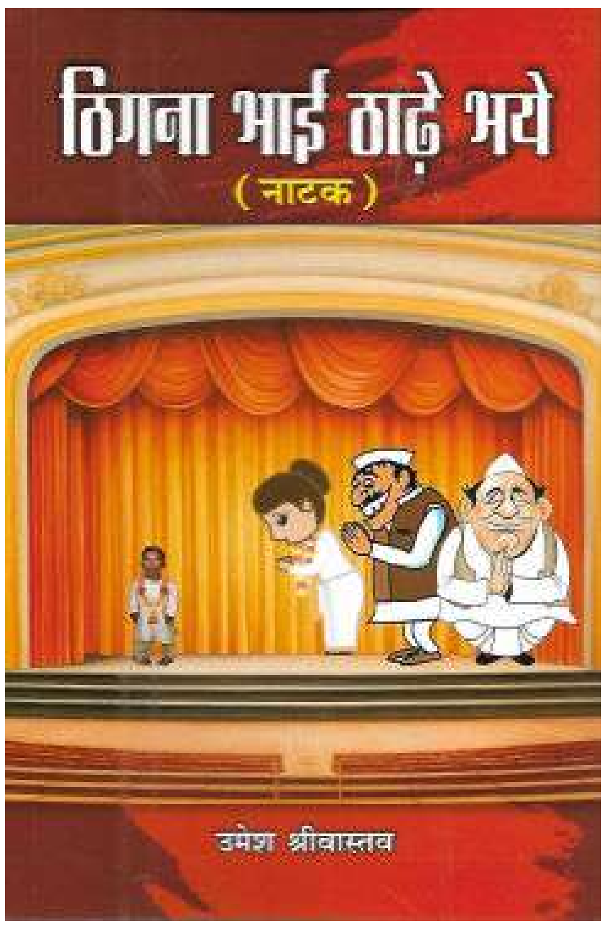

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

भयानक भूकंप से कांपा बांग्लादेश, 6 लोगों की मौत

बांग्लादेश में शुक्रवार सुबह 5.5 तीव्रता का भूकंप आने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इसके प्रभाव से पूरे पश्चिम बंगाल में झटके महसूस किए गए। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, भूकंप सुबह 10:08 से 10:10 बजे के बीच कोलकाता, मालदा, नादिया, कूचबिहार और कई अन्य जिलों में कुछ सेकंड के लिए महसूस किया गया। दक्षिण और उत्तर दिनाजपुर सहित पश्चिम बंगाल के अन्य हिस्सों में भी झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

(यूएसजीएस) के अनुसार, पश्चिम बंगाल के अलावा, पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र ढाका के घोरासल में था और इसकी गहराई 10 किलोमीटर थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, शुक्रवार तड़के पाकिस्तान और अफगानिस्तान में आए दो मध्यम तीव्रता के भूकंपों के बाद यह तीसरा भूकंप है। साल्ट लेक सेक्टर 3 के एक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता ने बताया कि पंखे और सोफ़ा कम से कम सात से आठ सेकंड तक हिलते रहे। हालाँकि, किसी नुकसान या हताहत की तत्काल कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है। भूकंप के तुरंत बाद, सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें आने लगीं, जिनमें स्थानीय लोग आवासीय परिसरों, शैक्षणिक संस्थानों और व्यावसायिक भवनों के बाहर इकट्ठा होते दिखाई दे रहे थे। भूकंप के कारण ढाका में बांग्लादेश और आयरलैंड के बीच चल रहा टेस्ट मैच भी कुछ देर के लिए बाधित रहा। हालाँकि, कुछ मिनट बाद खेल फिर से शुरू हो गया और किसी नुकसान की खबर नहीं है।

कंबोडिया के प्रमुख पर्यटन स्थल से आ रही बस पुल से गिरी, 16 यात्रियों की मौत

कंबोडिया में एक यात्री बस पुल से नदी में जा गिरी। इस दुर्घटना में कम से कम 16 लोग मारे गए और दो दर्जन से अधिक घायल हुए हैं। पुलिस अधिकारी सिव सोवन्ना ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को फोन पर बताया कि यह बस सियेम रीप से नोम पेन्ह की ओर जा रही थी, जहां प्रसिद्ध अंगकोर वाट मंदिर स्थित है। यह हादसा बृहस्पतिवार सुबह मध्य प्रांत काम्पोंग थॉम में हुआ। सोवन्ना ने बताया कि बृहस्पतिवार रात

बचावकर्मियों द्वारा तलाश पूरी करने के बाद मृतकों की संख्या 13 से बढ़कर 16 हो गई। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में संकेत मिला है कि चालक रात में सियेम रीप से प्रस्थान करने के बाद नींद के असर में था। आमतौर पर यह यात्रा लगभग साढ़े पांच घंटे की होती है। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि चालक मृतकों में शामिल है या नहीं। पुलिस ने कहा कि बस में लगभग 40 यात्री सवार हुए थे और सभी कंबोडियाई नागरिक हैं। लोक निर्माण और परिवहन मंत्रालय के अनुसार, कंबोडिया में सड़क दुर्घटनाओं में 2024 में 1,509 लोगों की मृत्यु हुई, जबकि 2025 के पहले नौ महीनों में 1,062 लोग सड़क हादसों में मारे गए।

ब्राजील के बेलेम में संयुक्त राष्ट्र सीओपी30 जलवायु सम्मेलन के मुख्य आयोजन स्थल पर आग लगी

ब्राजील के बेलेम में जारी संयुक्त राष्ट्र सीओपी30 जलवायु सम्मेलन के मुख्य आयोजन स्थल पर बृहस्पतिवार को आग लग गई, जिसके बाद हजारों लोगों को वहां से भागना पड़ा। घटना में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं है। दर्जनों एंबुलेंस घटनास्थल पर हैं वहीं दमकल गाड़ियां भी लगातार पहुंच रही हैं। आग दोपहर करीब दो बजे (स्थानीय समयानुसार) 'ब्लू जोन' में लगी, जहां सभी बैठकें, वार्ताएं होती हैं और देश–वार पवेलियन, मीडिया सेंटर व सभी उच्च–स्तरीय प्रतिनिधियों के कार्यालय हैं। आग लगने की खबर फैलते ही लोग निकास द्वारों से बाहर की ओर भागने लगे। जलवायु परिवर्तन संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) सचिवालय ने एक तत्काल परामर्श जारी किया और सभी लोगों से कार्यक्रम स्थल खाली करने की अपील की।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

किसी जूनियर अधिकारी को नहीं सौंपेंगे जी20 की अध्यक्षता, अमेरिका से विवाद के बीच दक्षिण अफ्रीका की दो टूक

केपटाउन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से सार्वजनिक मंचों पर दक्षिण अफ्रीका को लेकर दिए गए बयानों और उनके जी20 सम्मेलन में न आने की पुष्टि होने के बाद दोनों देशों के रिश्ते में तनाव और बढ़ गया है। इस बीच दक्षिण अफ्रीका ने स्पष्ट कर दिया है कि वह जी20 अध्यक्षता का प्रतीकात्मक हस्तांतरण किसी जूनियर अमेरिकी अधिकारी को नहीं करेगा। गौरतलब है कि यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब व्हाइट हाउस के अधिकारी ने दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा को अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ अनुचित टिप्पणी न करने की चेतावनी दी। बता दें कि जी20 आयोजनों में अब तक चलन रहा है कि जो भी देश इस संगठन की अगली अध्यक्षता संभालता है, उसके राष्ट्र प्रमुख या विशेष नेता–प्राधिकारी ही आयोजक देश से अध्यक्षता का प्रतीकात्मक हैंडओवर लेता है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने जी20 का बहिष्कार करने का संकेत दिया है। इसके बाद अमेरिका ने जी20 अध्यक्षता के हस्तांतरण के लिए आठ सदस्यीय एक दल को भेजने के लिए दक्षिण अफ्रीका से अनुमति मांगी। इसका नेतृत्व अमेरिका के राजनयिक मार्क जिलार्ड करेंगे। इसे लेकर पहले राष्ट्रपति रामाफोसा ने सौहार्दपूर्ण रुख अपनाया था, लेकिन देर शाम उनके प्रवक्ता विंसेंट मैग्वेन्या ने सोशल मीडिया पर लिखा कि राष्ट्रपति किसी जूनियर अधिकारी को अध्यक्षता नहीं सौंपेंगे। स्थानीय मीडिया से बातचीत में मैग्वेन्या ने कहा, "राष्ट्रपति किसी राजनयिक (चार्ज डी'अफेयर्स) को जी20 की अध्यक्षता नहीं सौंपेंगे। यह स्थापित प्रोटोकॉल का उल्लंघन है। दुनिया का कोई भी राष्ट्राध्यक्ष ऐसा नहीं करेगा।" दक्षिण अफ्रीका में व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट की टिप्पणी को लेकर भी नाराजगी है। विश्लेषकों ने इसे राष्ट्रपति का अपमान बताते हुए कूटनीतिक शिष्टाचार का उल्लंघन बताया। लेविट ने कहा था, "मैंने दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति को आज अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ कुछ बोलते हुए देखा। यह भाषा राष्ट्रपति या उनकी टीम को पसंद नहीं है।" व्हाइट हाउस प्रवक्ता की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई जब रामाफोसा ने अमेरिकी अनुपस्थिति पर कड़ा रुख अपनाया था, हालांकि उन्होंने ट्रंप का नाम नहीं लिया। दक्षिण अफ्रीका में ट्रंप की ओर से लगातार दिए जा रहे उन दावों पर भी असंतोष है, जिनमें वे देश में श्वेत किसानों के खिलाफ नरसंहार का आरोप लगाते हैं। दक्षिण अफ्रीकी सरकार और स्थानीय श्वेत नेताओं ने इन दावों को कई बार खारिज किया है। ट्रंप ने मंगलवार को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात के बाद भी दक्षिण अफ्रीका को घेरा था। उन्होंने कहा था, "मैं जी20 के लिए दक्षिण अफ्रीका नहीं जा रहा क्योंकि मेरा मानना है कि वहाँ लोगों के सफाए की जो नीतियां हैं, वे स्वीकार्य नहीं हैं। दक्षिण अफ्रीका ने बहुत बुरा बर्ताव किया है।" लेविट ने पुष्टि की थी कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल केवल जी20 अध्यक्षता ग्रहण करने की प्रक्रिया के लिए उपस्थित होगा और वहां चर्चाओं में हिस्सा नहीं लेगा। दक्षिण अफ्रीका का मानना है कि अमेरिका यह कार्रवाई इस लिए कर रहा है, ताकि उस स्थिति से बचा जा सके जिसमें रामाफोसा ने संकेत दिया था कि उपयुक्त प्रतिनिधि की गैरमौजूदगी में वह अध्यक्षता खाली कुर्सी को सौंप देंगे।

ईरान की तेल तस्करी पर अमेरिकी कार्रवाई, भारत की दो कंपनियां भी नए प्रतिबंधों की सूची में

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान की तेल तस्करी और गुप्त व्यापार नेटवर्क को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। इन प्रतिबंधों में भारत की एक शिपिंग कंपनी और एक पेट्रोलियम ट्रेडर समेत कई देशों की 17 कंपनियां, व्यक्ति और जहाज शामिल हैं। मामले में अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि ये कदम इसलिए उठाए गए हैं ताकि उस पैसों के प्रवाह को रोका जा सके जिससे ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम, सेना और आतंकवादी समूहों को समर्थन देता है। बता दें कि भारत की पेट्रोलियम ट्रेडर कंपनी टीआर6 पीईटीआरओ पर आरोप है कि उसने अक्तूबर 2024 से जून 2025 के बीच ईरान से आठ मिलियन डॉलर से अधिक का बिटुमेन खरीदा। अमेरिका के अनुसार यह ईरानी तेल की खरीद की श्रेणी में आता है, जो प्रतिबंधों का उल्लंघन है। इसलिए कंपनी को कड़े आर्थिक प्रतिबंधों में डाल दिया गया।

भारतीय शिपिंग कंपनी आरएन शिप प्रबंधन पर भी कार्रवाई

दूसरी तरफ अमेरिकी द्वारा लगाए गए प्रतिबंध की श्रेणी में मुंबई स्थित आरएन शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड भी शामिल है। इस कंपनी पर आरोप है कि उसने ऐसे जहाज चलाए जो ईरानी कच्चा तेल दूसरी कंपनियों के लिए गुप्त रूप से ले जाते थे। कंपनी से जुड़े दो भारतीय नागरिक जैर हुसैन इकबाल हुसैन सैयद और जुल्फिकार हुसैन रिजवी सैयद को भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह कंपनी उन कई देशों के नेटवर्क का हिस्सा मानी जा रही है, जिनमें यूएई, पनामा, जर्मनी, ग्रीस और गाम्बिया शामिल हैं, जो ईरान के लिए चोरी–छिपे तेल परिवहन में मदद करते हैं।

ईरान की एयरलाइन पर भी कार्रवाई

इसके साथ ही अमेरिका ने ईरान की निजी एयरलाइन माहान एयर और उसकी सहायक कंपनी यज्द इंटरनेशनल एयरवेज पर प्रतिबंध बढ़ाए हैं। दावा है कि एयरलाइन ईरान की आईआरजीसी–कोड्स फोर्स के साथ मिलकर सीरिया और लेबनान में हथियार और लड़ाके पहुंचाती है। माहान एयर के कई विमानों को ब्लॉक्ड प्रॉपर्टी घोषित कर दिया गया है।

अमेरिका का दावा और प्रतिबंधों का प्रभाव, समझिए

अमेरिका के मुताबिक, ईरान हाल ही में इस्राइल के साथ 12–दिवसीय युद्ध में हार के बाद अपनी सेना को फिर से खड़ा करने के लिए तेल के इस गुप्त कारोबार पर निर्भर है। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान की आय रोकना उसके परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए जरूरी है। अब बात अगर इन प्रतिबंधों से पड़ने वाले प्रभावों की करें तो इन कंपनियों और व्यक्तियों की संपत्ति अमेरिका में फ्रीज कर दी गई है। ऐसे में अमेरिकी नागरिक और कंपनियां इनके साथ कोई भी व्यापार नहीं कर सकेंगे। साथ ही प्रतिबंधों का उल्लंघन करने पर कड़े जुर्माने या कानूनी कार्रवाई हो सकती है। मामले में अमेरिका का कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि ईरान को अपने व्यवहार में बदलाव लाने के लिए मजबूर करना है।

वियतनाम में कुदरत का कहर, बाढ़–भूस्खलन से अब तक 41 की मौत

लोगों को बचाने के लिए अभियान जारी

हनोई। वियतनाम में भारी बारिश से हाहाकार मचा हुआ है। बाढ़ और लैंडस्लाइड से अब तक 41 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक भारी बारिश की वजह से पूरे सेंट्रल वियतनाम में भयंकर बाढ़ और लैंडस्लाइड हुए हैं, जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई है। बचाव दल अभी भी प्रभावित इलाकों में काम कर रहे हैं और डूबे हुए घरों की छतों पर फंसे लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले तीन दिनों में इलाके के कई हिस्सों में बारिश 150 सेमी से अथिक हो गई है। वियतनाम के पर्यावरण मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि छह प्रांतों में मौतें दर्ज की गईं, और नौ लापता लोगों की तलाश जारी है। वहीं 52,000 से अधिक घर पानी में डूब गए हैं, जिससे लगभग 62,000 लोगों को घर खाली करने पड़े हैं। लैंडस्लाइड की वजह से कई खास सड़कें बंद हो गई हैं, और लगभग दस लाख घरों में बिजली नहीं है। रिपोर्ट में देश के नेशनल सेंटर फॉर हाइड्रो–मेटियोरोलॉजिकल फोरकास्टिंग की चेतावनी का हवाला दिया गया है कि ह्यू शहर से लेकर डाक लाक प्रांत तक के तटीय इलाकों में पानी का लेवल 0.3 से 0.6 मीटर तक बढ़ने की उम्मीद है। 7 नवंबर को सुबह 1 बजे (लोकल टाइम) तक टाइफून के क्वांग न्गाई से लेकर डाक लाक तक के तटीय इलाकों में वियतनाम में लैंडफॉल करने का अनुमान है, जिसमें लेवल 12 से लेवल 15 तक की हवाएं चलेंगी, और यह लगभग 25 किमी/प्रति घंटा की स्पीड से पश्चिम–उत्तर–पश्चिम की ओर बढ़ता रहेगा। वियतनाम के मौसम विभाग ने कहा कि सेंट्रल तटीय क्षेत्र, सेंट्रल हाइलैंड्स और दक्षिणी क्षेत्र सहित कई इलाकों में भारी बारिश का अनुमान है, जिससे छोटी नदियों और नालों में अचानक बाढ़ आ सकती है, ढलानों पर लैंडस्लाइड हो सकता है, और निचले, शहरी और इंडस्ट्रियल इलाकों में बाढ़ आ सकती है। इस बीच फिलीपींस में, सेबू इलाका उन इलाकों में से एक है जहां टाइफून कालमेगी का सबसे अधिक असर हुआ है, जहां 114 कन्फर्म मौतों में से 71 मौतें इसी इलाके में हुईं और कई कस्बों और शहरों में बड़े पैमाने पर बाढ़ और लैंडस्लाइड की खबरें हैं। सेबू इलाका अभी भी 30 सितंबर को आए 6.9 मैग्नीट्यूड के भूकंप से उबर रहा है, जिससे हज़ारों लोग बेघर हो गए थे और कम से कम 79 लोगों की मौत हो गई थी।

अमेरिका: अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के नए चरण में अब तक ढाई सौ से अधिक गिरफ्तार

अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने बुधवार को कहा कि उत्तरी कैरोलाइना में अवैध रूस से प्रवेश करने वाले प्रवासियों पर चल रही कार्रवाई के दौरान अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। यह अभियान मुख्य रूप से राज्य के सबसे बड़े शहर शार्लोट के आसपास केंद्रित है और सप्ताहांत में शुरू हुआ था। यह अभियान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त और बड़े पैमाने पर की जाने वाली निर्वासन नीति का नया चरण है। सेना और आव्रजन एजेंटों को शिकागो से लेकर लॉस एंजिलिस तक, कई डेमोक्रेटिक पार्टी शासित शहरों में इस नीति के तहत भेजा जा रहा है। आव्रजन अधिकारियों ने जनवरी से देशभर में कार्रवाई तेज कर दी है, जिसके कारण हिरासत में रखे गए लोगों की संख्या बढ़कर 60 हजार से भी ऊपर पहुंच गई है। बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक हर जगह रोजाना छापे मारे जा रहे हैं। पोर्टलैंड, ओरेगन जैसे शहरों में अक्तूबर में ही 560 से अधिक गिरफ्तारी हुई। अन्य जगहों पर भी छोटे–छोटे अभियानों की जानकारी मिल रही है।

Pakistan में अब कहां हो गया ब्लास्ट, 15 लोगों की मौत

पंजाब प्रांत के फैसलाबाद जिले के मलिकपुर में एक रासायनिक कारखाने में बॉयलर फटने से कम से कम 15 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। विस्फोट सुबह–सुबह हुआ, जिससे आस–पास की कई इमारतें ढह गईं, जिनमें एक फ़ैक्टरी की इमारत भी शामिल थी। फ़ैसलाबाद के उपायुक्त राजा जहाँगीर अनवर ने संवाददाताओं को बताया कि बचाव अभियान जारी है और मलबे में और लोगों के दबे होने की आशंका है। अनवर ने कहा कि अब तक बचाव दल ने मलबे से 15 शव निकाले हैं और

सात घायलों को अस्पताल पहुँचाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि बचाव दल मलबा हटाने में लगे हुए हैं। ज़िले की पूरी मशीनरी बचाव कार्य में लगी हुई है। पंजाब के पुलिस महानिरीक्षक डॉ. उस्मान अनवर ने प्रभावी खोज और बचाव अभियान सुनिश्चित करने के लिए रेस्क्यू 1122, अग्निशमन विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों सहित सभी आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के निर्देश जारी किए। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज़ ने इस त्रासदी पर गहरा दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने फैसलाबाद आयुक्त से घटना के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है और क्षेत्र के अन्य रासायनिक कारखानों की सुरक्षा जांच तेज कर दी गई है। अधिकारी भविष्य में इसी तरह की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए औद्योगिक सुरक्षा प्रोटोकॉल के पालन की भी समीक्षा कर रहे हैं। यह दुखद घटना क्षेत्र में औद्योगिक सुरक्षा मानकों को लेकर चिंताओं को रेखांकित करती है, क्योंकि अधिकारी बचाव अभियान जारी रखे हुए हैं और पीड़ितों और उनके परिवारों को सहायता प्रदान कर रहे हैं। सियालकोट की एक कपड़ा फैक्ट्री में गैस रिसाव के कारण कई लोगों की मौत और कई अन्य घायल हुए थे, जिससे पूरे प्रांत में फैक्ट्रियों में पुराने उपकरणों, ढीले सुरक्षा उपायों और अपर्याप्त आपातकालीन तैयारियों को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि सुरक्षा नियमों के सख्त पालन के बिना, ऐसी दुखद घटनाएँ होती रह सकती हैं।

जोहरान ममदानी से मिलेंगे डोनाल्ड ट्रंप, जुबानी वार–पटलवार के बीच पहली बार होगा आमना–सामना

न्यूयॉर्क के डेमोक्रेट मेयर जोहरान ममदानी पहली बार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात करेंगे। ट्रम्प ने अपने ट्रूथ सोशल पर कहा, श्न्यूयॉर्क के कम्युनिस्ट मेयर जोहरान श्क्वामेश ममदानी ने मुझसे मुलाकात के लिए कहा। हम दोनों वाइट हाउस के ओवल ऑफिस में मुलाकात करेंगे।श बता दें कि न्यूयॉर्क मेयर चुनाव के दौरान ट्रम्प–ममदानी में तीखी बयानबाजी हो चुकी है। 34 वर्षीय डेमोक्रेटिक समाजवादी ममदानी, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में शहर के मेयर पद का चुनाव जीता था, पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराने के बाद तेज़ी से राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि में आए हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।